RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534

डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./ दुर्ग /94/2020-22

श्रीकंचनपथ

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

साझा करें अपने मित्रों से

सांध्य दैनिक

दुर्ग-रायपुर-बस्तर संभाग

संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल

वर्ष- 13, अंक - 157 | श्रीकंचनपथ ONLINE | visit us http://www.shreekanchanpath.com | भिलाई, शनिवार 26 मार्च 2022 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

राजस्थान में कोयले का संकट

गहलोत बोले- ब्लैक आउट की स्थिति, भूपेश ने कहा- नियम के मुताबिक काम करेंगे

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ के सीएम भूपेश बघेल और राजस्थान के सीएम अशोक गहलोत की अध्यक्षता में मुख्यमंत्री निवास में राजस्थान के बिजली घरों में कोयला संकट को लेकर मंत्रणा की गई। गहलोत ने छत्तीसगढ़ से मदद नहीं मिलने पर राजस्थान में ब्लैक आउट की स्थिति बनने की बात कही। इस पर भूपेश ने कहा कि केंद्र सरकार द्वारा आवंटित कोल ब्लॉक में पर्यावरण व स्थानीय लोगों की भावनाओं को ध्यान में रखते हुए कार्यवाही की जाएगी। कोयले पर दोनों राज्यों के बीच गतिरोध बरकरार है। आस लेकर आए सीएम गहलोत को छत्तीसगढ़ सरकार से कोयला आपूर्ति पर ठोस आश्वासन नहीं मिला है।

बैठक में राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कोयला खदान के लिए एनओसी और राजस्थान को जल्द कोयले की आपूर्ति की बात कही। गहलोत ने कहा कि राजस्थान के लोगों की तरफ से वे बड़ी उम्मीद लेकर छत्तीसगढ़ आए हैं। हमारा प्रदेश संकट में है और चिंतित भी है कि आने वाले समय में क्या होगा। यदि छत्तीसगढ़ से मदद नहीं मिलती है तो राजस्थान में ब्लैक आउट की स्थिति बन जाएगी। इस संकट को देखते हुए उन्हें खुद आना पड़ा है। उन्होंने कहा कि मुझे पूरी उम्मीद है कि छत्तीसगढ़ सरकार इस संबंध में जल्द फैसला लेगी। संकट की इस घड़ी में छत्तीसगढ़ हमारी मदद कर सकता है और हम बड़ी उम्मीद लेकर यहां आए हैं। बैठक में सीएस अमिताभ जैन, एसीएस सुब्रत साहू, वन विभाग के प्रमुख सचिव मनोज कुमार पिंगुआ, राजस्थान के मुख्यमंत्री के प्रमुख सचिव कुलदीप सिंह रांका, अपर मुख्य सचिव उर्जा सुबोध अग्रवाल, राजस्थान विद्युत उत्पादन निगम के सीएमडी आरके शर्मा उपस्थित रहे।

4500 मेगावाट क्षमता के प्लांट हो जाएंगे बंद

सीएम अशोक गहलोत ने राजस्थान को आवंटित कोल ब्लॉक में खनन शुरू करने जल्द एनओसी देने का आग्रह सीएम भूपेश बघेल से किया। राजस्थान में कोयले की कमी के कारण गंभीर बिजली संकट पैदा हो गया है। कोयला नहीं मिलने पर राजस्थान में 4500 मेगावाट क्षमता के प्लांट बंद हो जाएंगे। सीएम भूपेश बघेल ने कहा कि राजस्थान को जिस कोल ब्लॉक का आवंटन हुआ है। उस पर कार्यवाही जारी है। प्रक्रिया में समय लगता है। खदान आवंटन के बाद पर्यावरण की स्वीकृति के साथ केंद्र सरकार और राज्य सरकार की गाइडलाइंस पूरा करना होता है। पर्यावरण और स्थानीय लोगों के हितों का भी ध्यान रखना पड़ता है। प्रदेश सरकार ने स्थानीय लोगों के हितों से कभी समझौता नहीं किया।

1995 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र लेमरू एलीफेंट कॉरीडोर

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा कि हमने लेमरू एलिफेंट कॉरीडोर बनाया। पिछली सरकार को 450 वर्ग किलोमीटर की अनुमति मिल गई थी, लेकिन हमने 1995 वर्ग किलोमीटर का क्षेत्र लेमरू एलीफेंट कॉरीडोर में नोटीफाई किया है। इस क्षेत्र में 39 कोल ब्लॉक आए। इसमें छत्तीसगढ़ सरकार के भी दो कोल ब्लॉक हैं। हमें पर्यावरण, जैव विविधता और हसदेव बांगों बांध को भी बचाना है। इसीलिए हमने 1995 वर्ग किलोमीटर का क्षेत्र लेमरू एलीफेंट कॉरीडोर में नोटीफाई किया है। भूपेश ने कहा कि यह भी पहली बार हुआ है कि राजस्थान के मुख्यमंत्री इस विषय पर चर्चा करने छत्तीसगढ़ आए हैं। उन्होंने कहा कि इस पूरे प्रकरण में पर्यावरण, स्थानीय लोगों की भावनाओं को ध्यान में रखकर कार्यवाही की जाएगी। नियम से ही खदानों का संचालन होगा। इसमें कोई समझौता नहीं किया जाएगा।

स्थानीय विरोध की वजह से सरकार खींच रही हाथ

बता दें कि राजस्थान के बिजली घरों में कोयले की आपूर्ति छत्तीसगढ़ से होती है। भारत सरकार ने राजस्थान को साल 2015 में 4 हजार 340 मेगावाट बिजली उत्पादन इकाइयों के लिए छत्तीसगढ़ के परसा ईस्ट-कांटा बासन (PEKB) में 15 मिलियन टन प्रति वर्ष (MTPA) और परसा में 5 मिलियन टन प्रतिवर्ष क्षमता के कोल ब्लॉक आवंटित किए थे। इनमें से परसा ईस्ट-कांटा बासन कोल ब्लॉक के पहले चरण में खनन इस महीने पूरा हो चुका है। यहां से राजस्थान को कोयले की आपूर्ति अब नहीं हो सकेगी, जिससे बिजली संकट की स्थिति निर्मित हो गई है। केंद्रीय वन पर्यावरण तथा कोयला मंत्रालय ने पारसा कोल ब्लॉक से राजस्थान को कोयले की आपूर्ति की स्वीकृति दी है, जिसे छत्तीसगढ़ शासन के वन विभाग से एनओसी नहीं मिली है। स्थानीय विरोध की वजह से छत्तीसगढ़ सरकार भी इससे हाथ खींच रही है।

खास-खबर

आज से शुरू हो रहा क्रिक्रेट का मेगा इवेंट, पहले मैच में भिड़ेंगे सीएसके व केकेआर

मुंबई (एजेंसी)। इंडियन प्रीमियर लीग-2022 का 15 वां सीजन आज से शुरू हो रहा है। शनिवार को मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में 25 फीसदी दर्शकों के साथ खेल के इस मेगा इवेंट का शुभारंभ होगा। पहले मैच में कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) व चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) आपस में भिडेंगे। भारतीय समयानुसार यह मैच 7:30 बजे से शुरू होगा।

आईपीएल के 15 वें सीजन में काफी कुछ बदलाव है। टीमों की संख्या बढ़ गई है। टीमें 8 से बढ़कर 10 हो गई हैं और लीग दौर के मैच भी 60 से बढ़कर 74 हो गए हैं। ऐसे में इस बार टूर्नामेंट और रोमांचक होने की पूरी उम्मीद है। आईपीएल 2022 के उद्घाटन मुकाबले में चेन्नई सुपर किंग्स व कोलकाता नाइट राइडर्स इस बार नए कप्तान की अगुआई में उतरेंगी।

केकेआर के कप्तान श्रेयस अय्यर हैं। श्रेयश अय्यर को आईपीएल में कप्तानी का अच्छा अनुभव है। वहीं दो दिन पहले महेन्द्र सिंह धोनी द्वारा कप्तानी छोड़ने के ऐलान के बाद चेन्नई सुपर किंग्स ने ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा को टीम की कमान सौंपी है। रविन्द्र जड़ेजा के लिए यह पहला मौका होगा।

मानवता शर्मशार: मुक्तांजलि वाहन नहीं मिला तो शव सीने से लिपटाकर 10 कि.मी. पैदल चला बेबस पिता

श्रीकंचनपथ न्यूज

सरगुजा। छत्तीसगढ़ के स्वास्थ्य मंत्री टीएस सिंहदेव के गृह क्षेत्र में मानवता को शर्मशार करने वाली तस्वीर सामने आई है। शुक्रवार को सरगुजा जिले के लखनपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में 7 वर्षीय बालिका की मौत के बाद मुक्तांजलि वाहन नहीं मिल पाने से हताश पिता बेटी का शव सीने से लिपटाकर पैदल ही 10 किलोमीटर दूर अपने घर पहुंचा। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में शव वाहन नहीं है, लिहाजा स्वास्थ्य अमले ने लाचार पिता को अपने साधन से शव ले जाने कह दिया।

सरगुजा के लखनपुर क्षेत्र के अमदला निवासी ईश्वर दास ने बताया कि उसकी पुत्री सुरेखा (7 वर्ष) को दो दिनों से बुखार आ रहा था। गुरुवार रात पेट में दर्द हो रहा था। शुक्रवार सुबह 7 बजे एक ग्रामीण की मदद से बाइक में लेकर लखनपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचा और बच्ची को भर्ती कराया। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र की नर्स ने इंजेक्शन लगाया। ईश्वर दास ने नर्स को बताया कि बच्ची ने कुछ नहीं खाया है। इलाज के उपरांत कुछ देर बाद बच्ची की नाक से खून निकला और मौत हो गई। बेटी की मौत होने से माता-पिता बिलख उठे। उन्होंने बच्ची के शव को ले जाने शव वाहन की मांग की तब चिकित्सक ने कहा कि यहां शव वाहन की व्यवस्था नहीं है। अपनी व्यवस्था से शव ले जाओ।

स्वास्थ्य मंत्री सिंहदेव ने बीएमओ को हटाया

प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री टीएस सिंहदेव के गृहक्षेत्र में मानवता को शर्मसार कर देने वाली यह तस्वीर सामने आई तो जिला प्रशासन ने मामले की जांच शुरू कर दी है। उदयपुर एसडीएम और लखनपुर तहसीलदार शाम को स्वास्थ्य केंद्र पहुंचे व चिकित्सकों से पूछताछ की। माना जा रहा है कि सुविधाओं की कमी से जूझ रहे अस्पताल के प्रभारी बीएमओ को मामले में कार्यवाही के लिए बलि का बकरा बनाया जाएगा। स्वास्थ्य मंत्री टीएस सिंहदेव ने मामले में संयुक्त संचालक हेल्थ को कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। स्वास्थ्य मंत्री ने लखनपुर बीएमओ को हटाने कहा है। शोकॉज नोटिस जारी कर जवाब भी मांगा गया है। रेडक्रॉस सोसायटी सरगुजा के माध्यम से लखनपुर में शव वाहन की व्यवस्था की जाएगी।

ऑक्सीजन लेवल कम होना बता रहे डॉक्टर

करीब डेढ़ घंटे तक इंतजार के बाद बालिका के पिता रोते-बिलखते अपनी बेटी के शव को सीने में लिपटा पैदल ही गांव के लिए निकल गए। करीब 10 किलोमीटर की दूरी पैदल ही तय की। ईश्वर दास गरीब मजदूर है। पैसा नहीं होने के कारण वह वाहन की व्यवस्था भी नहीं कर सका। मामले में प्रभारी डीएमओ डॉ. पीएस केरकेट्टा ने बताया है कि बच्ची को सुबह 7:30 बजे हॉस्पिटल लाया गया था। उसकी तबीयत काफी बिगड़ चुकी थी। डॉक्टरों ने बच्ची को देखते ही उसका इलाज शुरू किया। ऑक्सीजन लेवल भी कम था। इलाज के दौरान बच्ची की मौत हो गई। डॉक्टर ने स्वीकार किया कि लखनपुर सामुदायिक स्वास्थ केंद्र में वेंटिलेटर एवं शव वाहन नहीं है, जिस वजह से मरीजों व उनके परिजनों को परेशानी होती है।

रूस-यूक्रेन वॉर: तबाही का पहला चैप्टर खत्म रूसी जनरल बोले- अब शुरू होगा दूसरा अध्याय

मास्को (एजेंसी)। यूक्रेन पर रूसी हमले का एक महीना पूरा हो गया है। जंग का आज 31वां दिन है। इसी के साथ रूस की ओर से दावा किया गया है कि, उसने यूक्रेन पर हमले के पहले चरण को पूरा कर लिया है। एक रूसी जनरल की ओर से दावा किया गया है कि, सैन्य अभियान के पहले चरण के लक्ष्यों को रूस ने सफलतापूर्वक पूरा कर लिया है। इसके बाद अब रूस दूसरे चरण की ओर आगे बढ़ेगा।

रूस के जनरल स्टाफ के पहले डिप्टी चीफ कर्नल सर्गेई रुडस्कॉय ने शुक्रवार को मीडिया ब्रीफिंग के दौरान कहा कि, सामान्य तौर पर हम सैन्य अभियान के पहले चरण को पूरा कर चुके हैं। इस दौरान यूक्रेन के सशस्त्र बलों की क्षमताओं में भारी कमी आई है। इस कारण अब हम अपने मुख्य लक्ष्य (डोनबास पर पूर्ण नियंत्रण) को पूरा करने में ध्यान केंद्रित करेंगे। दरअसल, इससे पहले रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की ओर से कहा गया था कि, यूक्रेन में युद्ध योजना के अनुसार चल रहा है।

सुपेला संडे मार्केट में बड़ी कार्रवाई की तैयारी, निगम का प्लान तैयार, सड़क पर दुकान लगाने वालों पर लगेगा जुर्माना

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। सुपेला संडे मार्केट में निगम ने बड़ी कार्रवाई की तैयारी की है। रविवार को सुबह 4:00 बजे से निगम और पुलिस प्रशासन की टीमें मौजूद रहेंगी। बेतरतीब तरीके से दुकान लगाने वालों पर कार्रवाई होगी। उल्लंघन करने वालों पर जुर्माना भी लगाया जाएगा और बेदखली की भी कार्रवाई की जाएगी। इसके लिए निगम ने पूरी प्लानिंग कर ली है।

निगम आयुक्त प्रकाश सर्वे ने इसके लिए चेंबर ऑफ कॉमर्स के पदाधिकारी अजय भसीन प्रदेश महामंत्री, गार्गी शंकर मिश्र भिलाई अध्यक्ष, सतीश चोपड़ा भिलाई चेंबर एवं सुनील मिश्रा कार्यालय प्रभारी आदि के साथ बैठक भी की। चेंबर ऑफ कॉमर्स के पदाधिकारियों ने ट्रैफिक व्यवस्था को दुरुस्त करने कार्यवाही में पूर्ण रुप से सहयोग देने की बात कही है। प्रदेश महामंत्री अजय भसीन ने कहा कि जब भी ऐसी आवश्यकता हो तो चेंबर ऑफ कॉमर्स का हमेशा सहयोगात्मक रवैया रहा है।

निगमायुक्त ने कहा कि शहर के ट्रैफिक को व्यवस्थित करने की दिशा में सुपेला संडे मार्केट में बेतरतीब तरीके से दुकान लगाने वालों पर कार्रवाई करना अत्यंत आवश्यक है। इसके लिए उन्होंने जोन क्रमांक 1 एवं जोन क्रमांक 2 के जोन आयुक्त मनीष गायकवाड एवं पूजा पिल्ले तथा राजस्व अधिकारी एन आर रत्नेश को कार्यवाही करने के निर्देश दिए हैं। वही आयुक्त ने अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक संजय ध्रुव से भी पुरुष एवं महिला पुलिस बल की मांग की है।

रविवार को सुबह 4:00 बजे से संयुक्त टीम सुपेला मार्केट में तैनात हो जाएगी। सड़क के दोनों ओर पेंट मार्किंग कराई गई है यदि इस मार्किंग के अधीन दुकाने नहीं रखी गई तो कार्रवाई की जाएगी। बेदखली के साथ ही जुर्माना भी लगाया जाएगा। कार्रवाई करने के लिए चार अलग-अलग प्रकार की टीमें नियुक्त की गई है। इसके साथ ही सही तरीके से दुकानें लगाने के लिए मुनादी के माध्यम से लगातार दुकानदारों को सूचना दी जा रही है।

दूसरी पारी का पहला फैसला: 15 करोड़ गरीबों को तीन महीने तक मुफ्त राशन देगी सरकार, लगी मुहर

लखनऊ (एजेंसी)। यूपी में लगातार दूसरी बार मुख्यमंत्री पद की शपथ लेकर कीर्तिमान बनाने वाले योगी आदित्यनाथ ने अपने दूसरे कार्यकाल के पहले दिन कैबिनेट बैठक में बड़ा निर्णय लिया है। कोरोना काल के दौरान शुरू की गई मुफ्त राशन योजना को तीन महीने के लिए और आगे बढ़ा दिया गया है। पहले इसे मार्च 2022 तक ही जारी रहना था। मुख्यमंत्री ने मीडिया को संबोधित करते हुए कहा कि देश के 80 करोड़ और प्रदेश के 15 करोड़ गरीबों को इस योजना का लाभ मिल रहा है। हमारी पहली कैबिनेट बैठक में इस योजना को तीन महीने आगे और बढ़ाने का निर्णय लिया गया है। इस योजना के तहत गरीबों को खाद्यान्न के साथ दाल, नमक, चीनी और तेल भी दिया जाएगा। उन्होंने बताया कि इस योजना से राज्य के खजाने पर 3270 करोड़ रुपये का भार पड़ेगा। इस निर्णय के बाद राज्य के 15 करोड़ लोगों को अगले तीन महीने तक प्रधानमंत्री अन्न योजना के तहत लाभ मिलता रहेगा। प्रेस कांफ्रेंस में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के अलावा, उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य, ब्रजेश पाठक, कैबिनेट मंत्री स्वतंत्र देव सिंह भी मौजूद रहे। यह नवगठित सरकार का पहला निर्णय है।

अब जानवरों पर आईसीएच वायरस का खतरा प्रदेश का कानन मिनी जू बन रहा कब्रगाह

बिलासपुर (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर जिले में एक ऐसा मिनी जू है जिसे अब कब्रगाह के नाम से जाना जाने लगा है। यहां की फिजा में न जाने क्या मिल गया है कि एक के बाद एक जानवरों की लगातार मौत हो रही है। हम बात कर रहे हैं कानन पेंडारी जूलॉजिकल पार्क की, 2 के बाद एक और मादा भालू की मौत हो गई। कानन प्रबंधन का कहना है कि इस बार भी भालू की मौत संक्रमण से हुई है। बता दें कि 26 दिन में यहां तीसरे भालू ने अंतिम सांस ली है तो वहीं 632 वन्यप्राणियों की जिंदगी पर खतरा मंडरा रहा है।

मिली जानकारी के अनुसार कानन पेंडारी मिनी जू में एक और भालू की मौत हो गई है। इससे पहले 2 भालुओं की मौत हो चुकी है। वन्यप्राणियों की मौत का सिलसिला रोक न पाने में नाकाम जू प्रबंधन इसे इनफेक्सेस केनान हेपेटाइटिस (आईसीएच) नामक संक्रमण बता रहा है। जिसके कारण 26 दिन के भीतर ही यहां के 3 भालुओं की मौत हो गई। दो नर की मौत तो पहले हो चुकी है और एक मादा भालू कविता ने शुक्रवार को दम तोड़ दिया। संक्रमण के कारण अब कानन पेडारी में रहने वाले 632 अलग-अगल प्रकार के वन्यजीवों की जिंदगी पर खतरा मंडरा रहा है। इसके बावजूद कानन प्रबंधन ध्यान नहीं दे रहा है। कानन पेंडारी जूलॉजिकल पार्क वन्य प्राणियों की कब्रगाह बन गया है। मादा भालू की सोमवार से ही हालत गंभीर हो गई थी। जिसके बाद उसे क्वॉरेंटाइन किया गया था लेकिन 3 दिन के संघर्ष के बाद उसने भी दम तोड़ दिया। कानन प्रबंधन भालूओं के मौत का कारण इनफेक्सेस केनान हेपेटाइटिस (आईसीएच) नामक एक संक्रमण बता रहा है।

मृत भालुओं के संपर्क में थी कविता

प्रबंधन ने बताया कि मादा भालू कविता भी मृत दोनों भालुओं के संपर्क में आई थी। 3 दिन पहले ही उसने खाना खाना बंद कर दिया था। सोमवार की सुबह तो उसके शरीर में झटके के लक्षण दिखने लगे थे और सांस लेने में परेशानी भी हो रही थी। तब से वो कानन के डॉक्टरों की देखरेख में थी। शुक्रवार को उसने भी दम तोड़ दिया। बता दें कि इससे पहले 12 फरवरी को मादा हिप्पोपोटामस सहेली की मौत हो गई थी। प्रबंधन और डॉक्टरों ने उसकी वजह की वजह हार्ट अटैक को बताया था। 26 फरवरी को एक नर भालू की मौत हुई उस समय भालू की मौत की वजह निमोनिया बताया गया था। 3 मार्च को घायल बाघिन रजनी की कानन में मौत हो गई।10 मार्च को दूसरे नर भालू की मौत हो गई। अभी भी यहां के वन्यप्राणियों को संक्रमण का खतरा बना हुआ है।

आइसोलेशन ही सहारा

कानन पेंडारी मिनी जू के डीएफओ विष्णु नायर ने बताया कि ये संक्रमण कहां से आया, इसकी जानकारी नहीं है। ये केवल केनान फैमली में ही होता है, ऐसे में केवल अन्य भालूओं पर ही एहतियात बरती जा रही है। बाकी के वन्य प्राणियों में इस संक्रमण का लक्षण नहीं है। भालू की मौत के बाद आगरा स्थित वाईल्ड लाईफ एस.ओ.एस का भालू रेस्क्यू सेंटर के एक्सपर्ट डॉ. ईलाईराजा से संपर्क किया। उन्होंने बताया कि ये इनफेक्सेस केनान हेपेटाइटिस के लक्षण हो सकते हैं। जो एक विषाणु जनित बीमारी है और एडीओएन वायरस होता है। भालू में (आईसीएच) संक्रमण के बाद उपचार नहीं है। इस संक्रमण से भालुओं को केवल कोरोना की तरह आइसोलेशन कर ही बचाव किया जा सकता है।

मिशन-2023 की तैयारियों में जुटे सीएम भूपेश 90 विधानसभा क्षेत्रों का दौरा कर लेंगे फीडबैक

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ में चुनावी मिशन से पहले सीएम भूपेश बघेल फील्ड में उतरकर योजनाओं की स्थिति देंखेंगे। प्रदेश के 90 विधानसभा क्षेत्रों में सीएम कामकाज की जानकारी लेंगे। भूपेश स्थानीय स्तर पर परफार्मेंस के साथ आम लोगों का फीडबैक भी लेंगे। माना जा रहा है कि राजनांदगांव जिले के खैरागढ़ उप चुनाव के तत्काल बाद मुख्यमंत्री का दौरा कार्यक्रम तय हो जाएगा। खैरागढ़ उप चुनाव का परिणाम 16 अप्रैल को आएगा।

सीएम भूपेश बघेल के प्रस्तावित दौरे को लेकर प्रशासनिक तैयारियां भी शुरू हो गई है। मुख्यमंत्री ने आला अफसरों के साथ दौरे को लेकर मंत्रणा भी की है। मुख्य सचिव अमिताभ जैन ने सभी कलेक्टरों को सीएम के दौरे के लिए तैयार रहने के निर्देश दिए हैं। सीएस के निर्देश के बाद अफसरों ने होमवर्क भी शुरू कर दिया है। फील्ड में कामकाज की समीक्षा के संकेतों के बाद प्रशासनिक स्तर पर खलबली भी मची है। बता दें कि छत्तीसगढ़ में 2023 में विधानसभा चुनाव होना है। 2018 के चुनाव में रिकॉर्ड जीत दर्ज करने वाले कांग्रेस अब मिशन-2023 की तैयारियों में अभी से जुट गई है।

दो माह का मैराथन कार्यक्रम तय हो रहा

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल प्रदेश के सभी 90 विधानसभा क्षेत्रों में पहुंचकर योजनाओं की जमीनी हकीकत के साथ आम जनता से रूबरू होंगे। सीएम पूरे दो माह तक फील्ड में रहकर फीडबैक लेंगे। प्रशासनिक स्तर पर दो माह का मैराथन कार्यक्रम भी तैयार हो रहा है। सीएम भूपेश ने पहले ही बता दिया है कि वे सभी विधानसभा क्षेत्रों में जाकर कामकाज की समीक्षा करेंगे। इससे कांग्रेस के कार्यकर्ताओं को रीचार्ज करेंगे और स्थानीय नेताओं की सक्रियता भी पती चलेगी।

लापरवाही बरतने वालों पर गिरेगी गाज

सूत्रों के मुताबिक फील्ड में योजनाओं के क्रियान्वयन में खामियों पर भी सीएम की नजर रहेगी। कामकाज में लापरवाही बरतने की स्थिति में जवाबदेही अफसरों पर कार्रवाई की गाज भी गिर सकती है। वहीं कमजोर परफारमेंस वाले क्षेत्रों में संबंधित अफसरों को जवाब भी देना पड़ सकता है।

संपादकीय

बड़े प्रदेश की उम्मीदें

उत्तर प्रदेश ने अपनी राजनीति का नया इतिहास लिख दिया है। इतने विशाल प्रदेश में एक मुख्यमंत्री और उनकी पार्टी की सत्ता का कायम रहना अपने आप में अध्ययन और अनुकरण का विषय है। कड़ी चुनावी टक्कर में यह एक ऐसी सरकार की बेहतरीन वापसी है, जिससे प्रदेश को बड़ी उम्मीदें हैं। उत्तर प्रदेश में भाजपा की जीत ने पहले ही यह साबित कर दिया है कि यहां भाजपा के नेताओं के प्रति आभार भाव कायम था, इसलिए जनता ने सीटें भले कम कर दीं, पर फिर शासन का मौका दिया। इस आभार भाव की जरूरत बनी रहनी चाहिए।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उचित ही कहा है कि 'प्रदेश में वंशवाद और जातिवाद की राजनीति नहीं चलेगी। हमने सुशासन और गरीब कल्याण के लिए काम किया। अब हम लोगों की आय को दोगुनी करेंगे। प्रदेश को नंबर वन अर्थव्यवस्था बनाएंगे।' दरअसल, अर्थव्यवस्था ही वह कमजोर नब्ज है, जहां सरकार की वास्तविक परख होने वाली है। अगर मुख्यमंत्री प्रदेश को नंबर वन अर्थव्यवस्था बनाने का सपना देख रहे हैं, तो उनका सहर्ष स्वागत है। उत्तर प्रदेश जैसे राज्य का विकास देश की चंद बहुत बड़ी चुनौतियों में शुमार है। यहां विकास की बुनियादी रूपरेखा को और दुरुस्त करने की जरूरत है। यमुना एक्सप्रेसवे, आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे, पूर्वांचल एक्सप्रेसवे जैसी बड़ी परियोजनाओं के पूरा होने से प्रदेश में विकास की बुनियाद सशक्त हुई है। आज उत्तर प्रदेश के पास ऐसा बहुत कुछ है, जिस पर सब गर्व कर सकते हैं। अभी जो परियोजनाएं चल रही हैं, उन्हें जल्द पूरा करने पर प्रदेश सरकार का जोर होना चाहिए। चुनाव अगर श्रेय लेने का समय होता है, तो जनता ने योगी आदित्यनाथ और उनकी सरकार को श्रेय दे दिया है, लेकिन अब फिर काम में लग जाने का समय है। विधायक दल को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने जो सकारात्मक बातें की हैं, उनको साकार करने में सरकार को लग जाना चाहिए। उत्तर प्रदेश में बड़े पैमाने पर रोजगार की जरूरत है, तो राज्य सरकार को ऐसे तमाम प्रबंध करने चाहिए, जिनसे प्रदेश में निवेश बढ़े। भौगोलिक और व्यावसायिक लिहाज से उत्तर प्रदेश एक बेहतर जगह है, पर इस प्रदेश को जितना मिलना चाहिए, उतना नहीं मिला है। भारी राजनीतिक बढ़त या वजूद को आर्थिक विकास में तब्दील करने का वक्त आ गया है। डबल इंजन की सरकार है और उत्तर प्रदेश के लिए इससे अच्छा मौका अब कब आएगा?

> लोग यही उम्मीद करेंगे कि आगामी पांच वर्ष शांति से प्रदेश के सुखद कायाकल्प को समर्पित हो जाएं, ताकि लोग उत्तर प्रदेश की और ज्यादा सकारात्मक मिसालें देने लगें। प्रदेश के मुख्यमंत्री के इस कथन का पुरजोर स्वागत है कि हमें अपने राज्य की बेहतरी के लिए फिर से मिलकर काम करना होगा।

मुख्यमंत्री प्रदेश की व्यवस्था को जातिवाद से अगर थोड़ा भी निकाल सके, तो यह उनका बड़ा योगदान होगा। इस प्रदेश के दामन पर जातिवाद के दाग अक्सर लगते रहते हैं, कोई भी उत्तर प्रदेश की निंदा करने लगता है या नकारात्मक मिसालें देने लगता है। अत: सबके विकास पर फोकस करते हुए चलना होगा। प्रदेश मंत्रिमंडल में अब मुख्यमंत्री सहित 53 मंत्री व राज्यमंत्री हैं। कामकाज के अलावा राजनीतिक समीकरण देखते हुए मंत्री बनाए जाते हैं, लेकिन अब सबका एजेंडा उत्तर प्रदेश का विकास होना चाहिए। उत्तर प्रदेश ने एक सशक्त नेता चुना है, तो उसका पूरा लाभ भी प्रदेश को मिलना चाहिए। लोग यही उम्मीद करेंगे कि आगामी पांच वर्ष शांति से प्रदेश के सुखद कायाकल्प को समर्पित हो जाएं, ताकि लोग उत्तर प्रदेश की और ज्यादा सकारात्मक मिसालें देने लगें। प्रदेश के मुख्यमंत्री के इस कथन का पुरजोर स्वागत है कि हमें अपने राज्य की बेहतरी के लिए फिर से मिलकर काम करना होगा।

श्रीलंका, नया सिरदर्द

शरणार्थियों ने बताया कि उनके अपना देश छोड़ कर भारत आने का कारण श्रीलंका का गंभीर आर्थिक संकट है। पर्यटन पर निर्भर श्रीलंका की अर्थव्यवस्था पर पहले ही कोविड के दौरान पर्यटन बंद रहने से मार पड़ी थी। अब देश में विदेशी मुद्रा की भारी कमी हो गई है। साथ ही महंगाई आसमान पर है। श्रीलंका गहरे आर्थिक संकट में है, ये बात तो अब जग-जाहिर है। लेकिन वहां की हालत अब भारत के लिए चिंता का विषय बनने जा रही है। ऐसी खबर पहली बार आई है कि श्रीलंका में असहनीय हालात से परेशान लोग लोग देश छोड़ कर समुद्र के रास्ते भारत आ रहे हैं। इस हफ्ते खबर आई कि 16 श्रीलंकाई तमिल नावों के जरिए तमिलनाडु के रामेश्वरम पहुंचे। इस बात की पुष्टि रामनाथपुरम के जिला कलेक्टर ने भी की है। उसके बाद 31 और लोगों के आने की जानकारी सामने आई। मीडिया रिपोर्टों में बताया गया है कि श्रीलंका के जाफना और मन्नार इलाकों से ये लोग समुद्र के रास्ते दो जत्थों में तमिलनाडु पहुंचे। फिलहाल इन लोगों को समुद्री पुलिस की निगरानी में रखा गया है। इन लोगों के पास उनके पासपोर्ट तक नहीं हैं।

मीडिया रिपोर्टों में तमिलनाडु के खुफिया अधिकारियों के हवाले से यह भी बताया गया है कि आने वाले हफ्तों में करीब 2,000 शरणार्थी श्रीलंका से तमिलनाडु आ सकते हैं। तमिलनाडु सरकार इस स्थिति से निपटने के लिए क्या तैयारी कर रही है, यह अभी मालूम नहीं हुआ है। शरणार्थियों ने बताया कि उनके अपना देश छोड़ कर भारत आने का कारण श्रीलंका का गंभीर आर्थिक संकट है। पर्यटन पर निर्भर श्रीलंका की अर्थव्यवस्था पर पहले ही कोविड के दौरान पर्यटन बंद रहने से मार पड़ी थी। अब देश में विदेशी मुद्रा की भारी कमी हो गई, जिसकी वजह से सरकार आम जरूरत के सामान के आयात की कीमत नहीं चुका पा रही है। इस वजह से दवाओं, ईंधन, दूध का पाउडर, रसोई गैस आदि जैसी चीजों की भारी कमी हो गई है। जितना भंडार उपलब्ध है, उसके दाम आसमान छू रहे हैं।

> युद्ध ने संयुक्त राज्य अमेरिका के राजनेताओं और लोगों को एक तरह से एकजुट कर दिया है, यह स्थिति 9/11 के बाद से नहीं देखी गई थी। युद्ध ने दुनिया भर में लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति समर्थन जगाया है। यह वैसी नई विश्व व्यवस्था नहीं है, जैसी पुतिन ने इस युद्ध को शुरू करते समय चाही थी, बल्कि यह वह नई व्यवस्था है, जिसकी दुनिया को जरूरत है।

हम नई विश्व व्यवस्था की ओर

फ्रेंक एफइस्लाम ,अमेरिकी उद्यमी

यूक्रेन पर अकारण हमले के लगभग एक महीने बाद साफहै कि युद्ध उस तरह से नहीं चल रहा है, जैसी कल्पना व्लादिमीर पुतिन ने की थी। हालांकि, अभी रूसी आक्रमण को दलदल कहना जल्दबाजी होगी, लेकिन यह साफ है कि यूक्रेन के सैनिकों व नागरिकों ने जिस तरह से उग्र प्रतिरोध किया है, उसके चलते रूस अपने सैन्य और सियासी मकसद से अभी तक दूर है। युद्ध से पहले वाशिंगटन में विदेश नीति के हलकों में दो प्रमुख धारणाएं थीं- पहली धारणा यह थी कि रूसी सेनाएं कुछ ही दिनों, शायद 48 घंटों से भी कम समय में यूक्रेन की सेना को पछाड़ देंगी और मॉस्को के अनुकूल शासन की स्थापना हो जाएगी। दूसरी धारणा यह थी कि रूसी दुस्साहस चीन के मौन समर्थन से एक नई दो-ध्रुवीय विश्व व्यवस्था की शुरुआत करेगा, जिसमें एक तरफ संयुक्त राज्य अमेरिका व उसके सहयोगी होंगे और दूसरी तरफ रूस व चीन होंगे।

मॉस्को द्वारा आक्रमण के महीने भर बाद रूस की पहली धारणा अमान्य हो गई है। यूक्रेन द्वारा दिए गए आक्रामक जवाब के चलते रूसी हमलावर कई मोर्चों पर ठिठक गए हैं। यूक्रेन की राजधानी कीव को गिराने में रूस अब तक असमर्थ रहा है और रूसी पक्ष का नुकसान लगातार बढ़ता जा रहा है। अमेरिकी अधिकारियों का अनुमान है कि अब तक के युद्ध में 7,000 या इससे अधिक रूसी सैनिक मारे गए हैं। इसके अतिरिक्त, पश्चिमी पर्यवेक्षकों के अनुसार, रूस को टैंक, लड़ाकू जेट और मिसाइलों के मामले में भी खासा नुकसान हुआ है। भयंकर बमबारी व मिसाइल हमलों के बावजूद यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की का पश्चिम-समर्थक प्रशासन न सिर्फ कायम है, बल्कि इसे यूरोप और दुनिया भर के देशों में भारी समर्थन मिल रहा है। वास्तव में, एक पूर्व कॉमेडियन व व्यवसायी जेलेंस्की पश्चिमी दुनिया के अधिकांश हिस्सों में एक नायक बन गए हैं। हाल के एक जनमत सर्वेक्षण में 64 प्रतिशत अमेरिकियों ने कहा कि वे जेलेंस्की के रुख से इत्तेफाक रखते हैं। इस वजह से अमेरिका में प्रशासन, रक्षा और रणनीतिकारों को यह विश्वास हो चला है कि पुतिन ने युद्ध की तैयारी करते समय यूक्रेनी प्रतिरोध और पश्चिम के संकल्प को कम आंका था। जाहिर है, पुतिन ने न सिर्फ यूक्रेनी संकल्प, बल्कि अमेरिका व उसके सहयोगियों की दृढ़ता का भी गलत आकलन किया था।

आज तक के नतीजों को देखते हुए उचित ही यह निष्कर्ष निकाला जा सकता है कि विश्व व्यवस्था में बदलाव उस तरह से सामने नहीं आया है, जैसा रूस या चीन की मर्जी थी। लगता है, पिछले कई दशकों में महाशक्ति के दर्जे के लिए रूस का दावा मुख्य रूप से उसकी कल्पित सैन्य शक्ति पर टिका था।

कोई संदेह नहीं कि युद्ध जितना लंबा चलेगा, पुतिन और दुनिया की दूसरी सबसे शक्तिशाली ताकत मानी जाने वाली रूसी सेना के लिए उतना ही नुकसानदेह होगा। रूस की प्रतिष्ठा काफी हद तक क्षतिग्रस्त हुई है और इसीलिए पुतिन व उनके लोग परमाणु हथियारों की चर्चा ज्यादा करने लगे हैं।

युद्ध की शुरुआत में पारंपरिक धारणा यही थी कि पुतिन द्वारा छेड़े गए युद्ध का बड़ा लाभार्थी चीन होगा। जिस तरह से युद्ध हो रहा है, उसे देखते हुए शायद चीन अभी भी एक लाभार्थी होगा, लेकिन उस तरह से नहीं, जैसा पहले सोचा गया था। चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने निस्संदेह यूक्रेन में पुतिन की गलतियों से सबक सीख लिया है। अमेरिका के साथ अपने व्यापारिक संबंधों की वजह से ही बीजिंग दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन सका है। अब वह निश्चित रूप से ताइवान या यहां तक कि भारत के उत्तर व पूर्वोत्तर में हस्तक्षेप करते समय पहले से अधिक सतर्क रहेगा। गौर कीजिए, अब एक नई विश्व व्यवस्था उभर रही है। राष्ट्रपति जो बाइडन ने इसे आकार देने के लिए अपने देश को प्रतिबद्ध किया है। 21 मार्च को बिजनेस राउंड टेबल के भाषण में उन्होंने कहा, 'चीजें बदल रही हैं, व एक नई विश्व व्यवस्था बनने जा रही है और हमें इसका नेतृत्व करना है।... हमें यह करने के लिए बाकी आजाद दुनिया को एकजुट करना होगा।' नाटो, जो डोनाल्ड ट्रंप के वर्षों में पीछे हट गया था, व्लादिमीर पुतिन की बदौलत एकजुट इकाई के रूप में लौट आया है। नाटो का हर सदस्य देश मौके पर आगे आया है, इनमें स्लोवाकिया जैसे राष्ट्र भी शामिल हैं, जो शीत युद्ध के समय सोवियत खेमे में शुमार थे।

राष्ट्रपति जो बाइडन बुधवार को नाटो, जी 7 और यूरोपीय संघ के आपातकालीन शिखर सम्मेलन के लिए ब्रुसेल्स पहुंचे। वह नाटो और यूरोप के साथ मिलकर रूस पर नए-नए प्रतिबंध लगाने में जुटे हैं। बाइडन की कोशिश है कि तेल व गैस के लिए मास्को पर यूरोपीय सहयोगियों की निर्भरता कम हो जाए। जैसा कि ऊपर जिक्र किया गया है, यूक्रेन पर रूस के आक्रमण के चलते खुद रूस के लिए कई अनपेक्षित और बहुत दुखद परिणाम हुए हैं। रूसी ऑपरेशन की संभावित नाकामी का एक अन्य अनपेक्षित परिणाम यह भी है कि तथाकथित ताकतवर या निरंकुश लोगों का विजयी मार्च दुनिया में धीमा पड़ सकता है।

अमेरिकी राजनीतिक विज्ञानी फ्रांसिस फुकुयामा लिखते हैं, रूसी आक्रमण ने पहले ही दुनिया भर के ऐसे लोगों को भारी नुकसान पहुंचाया है, जो हमले से पहले पुतिन के प्रति किसी न किसी रूप में सहानुभूति रखते थे। लेकिन युद्ध की राजनीति ने खुले तौर पर उनके सत्तावादी झुकाव को जाहिर कर दिया है। प्रसिद्ध पुस्तक द एंड ऑफहिस्ट्री ऐंड द लास्ट मैन के लेखक फुकुयामा लिखते हैं, 'पुतिन की हार से दुनिया में उदार लोकतंत्र की वापसी हो सकती है, जो कई वर्षों से पीछे हटता जा रहा है।' वह कहते हैं, 'रूस की पराजय आजादी के नए जन्म को संभव बना देगी, और हमें वैश्विक लोकतंत्र की दुर्गंध भरी गिरावट से बाहर निकाल देगी। बहादुर यूक्रेनी समुदाय का आभार!'

युद्ध ने संयुक्त राज्य अमेरिका के राजनेताओं और लोगों को एक तरह से एकजुट कर दिया है, यह स्थिति 9/11 के बाद से नहीं देखी गई थी। युद्ध ने दुनिया भर में लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति समर्थन जगाया है। यह वैसी नई विश्व व्यवस्था नहीं है, जैसी पुतिन ने इस युद्ध को शुरू करते समय चाही थी, बल्कि यह वह नई व्यवस्था है, जिसकी दुनिया को जरूरत है।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

कृषि बदलावों का किसान आंदोलन पर असर

हिमांशु, एसोशिएट प्रोफेसर, जेएनयू

पिछले साल किसानों का आंदोलन उन तीन कृषि कानूनों के खिलाफ सरकार को झुकाने में सफल रहा, जिन्हें 2020 में पारित किया गया था। हाल ही में संपन्न विधानसभा चुनावों में कुछ इलाकों में यह आंदोलन राजनीतिक बहस में शामिल भी था, लेकिन जिन मुद्दों पर किसान मुखर थे, उनमें से ज्यादातर राजनीतिक सहमति नहीं पा सके। पंजाब में तो प्रदर्शनकारी किसानों के एक गुट ने चुनाव भी लड़ा, लेकिन वह अपनी उपस्थिति दर्ज कराने में विफल रहा। यहां तक कि उत्तर प्रदेश में भी, पश्चिमी हिस्से से इतर किसानों को लामबंद करने में यह आंदोलन निष्फल साबित हुआ। बेशक, भारतीय राजनीति पर इस आंदोलन के प्रभाव का अभी आकलन करना जल्दबाजी है, और चुनाव के नतीजे इस विश्लेषण के सर्वश्रेष्ठ मानदंड हैं भी नहीं, फिर भी ऐसे कई कारक हैं, जो बताते हैं कि एक छोटे भौगोलिक क्षेत्र से परे इस आंदोलन ने मतदाताओं को प्रभावित नहीं किया।

इसकी एक वजह यह है कि किसान आंदोलन खेती-किसानी की व्यापक चिंताओं पर किसानों की स्वाभाविक गोलबंदी नहीं, बल्कि सरकार के कदम का विरोध था। नतीजतन, कृषि कानूनों के निरस्त होने के साथ विरोध का मूल कारण भी खत्म हो गया। बेशक, मुश्किलों के बावजूद लंबे समय तक इस लामबंदी के लिए किसानों की तारीफ की जानी चाहिए, पर वे उत्तर प्रदेश के अन्य हिस्सों या पड़ोसी राज्य उत्तराखंड तक में राजनीतिक रूप से मुखर नहीं हो सके।

हालांकि, यह सच सिर्फ इसी आंदोलन का नहीं है। पिछले पांच वर्षों के दौरान, मध्य प्रदेश सहित कई राज्यों में किसानों ने जोरदार विरोध-प्रदर्शन किया है। मध्य प्रदेश में तो ऐसे ही एक आंदोलन में सात किसानों की पुलिस फायरिंग में मौत हो गई थी। महाराष्ट्र में भी किसानों ने अपनी दुर्दशा बताने के लिए लंबा मार्च निकाला। तमिलनाडु के किसान तो करीब 100 दिनों तक दिल्ली में डटे रहे। कई अन्य विरोध-प्रदर्शन भी हुए, लेकिन विभिन्न राज्यों में उत्साहजनक एकजुटता के बावजूद किसान आंदोलन अपना आधार बनाने में विफल रहे। वे खेतिहर और गैर-कृषि मजदूरों सहित ग्रामीण इलाकों के कामगारों को भी नहीं जोड़ पाए, जिनका रहन-सहन कृषि से बखूबी प्रभावित होता है।

इन विसंगतियों की मूल वजह है, पिछले तीन दशकों में खेती-किसानी की बदलती प्रकृति। पहला बदलाव फसल-पैटर्न से जुड़ा है। सच यही है कि पिछले दशक की शुरुआत से बागवानी फसलों ने देश के कुल खाद्यान्न-उत्पादन को पीछे छोड़ दिया है। चावल और गेहूं को तो न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर खरीद के माध्यम से राज्य का समर्थन प्राप्त है, पर बागवानी, तिलहन या दलहन जैसी अन्य फसलों के लिए ऐसी कोई सुरक्षा नहीं है। इससे न केवल इन फसलों की बाजार पर निर्भरता बढ़ती है, बल्कि कीमतों में उतार-चढ़ाव का जोखिम भी अधिक रहता है। यही वजह है कि उन राज्यों में कृषि संबंधी चिंताएं अलग हैं, जहां एमएसपी वाली खरीद ज्यादा नहीं होती या राज्य की मंडियां काम नहीं कर रहीं। यह बदलाव कृषि लागत के साथ भी नत्थी है। बड़ी पूंजी की जरूरतों को अमूमन कर्ज द्वारा पूरा किया जाता है। मगर बाजारों पर अधिक निर्भरता ने उत्पादन कीमतों और ऋण न चुका पाने की स्थिति को गंभीर बना दिया है। इसीलिए कृषि ऋण की माफी की मांग अब बार-बार होने लगी है। राजनीतिक दल भी इसे देने को तैयार रहते हैं।

बदलाव का एक अन्य पहलू मशीनों के इस्तेमाल और उनको चलाने वाले हाथों का बढ़ना भी है। इससे खेतिहर मजदूरों की जरूरतें कम हो गई हैं। लिहाजा, अधिकांश खेतिहर मजदूर किसी और रोजगार की तलाश को मजबूर हुए हैं। इससे मजदूरी करने वाले कामगारों और किसानों के आपसी आत्मीय संबंध कमजोर पड़े हैं। गैर-कृषि क्षेत्र के बढ़ते प्रभुत्व को देखते हुए यह कहना गलत नहीं होगा कि कृषि राजनीति के सामने एक बड़ी चुनौती न्यूनतम समर्थन मूल्य की गारंटी और ऋण माफी जैसे संकीर्ण मार्गों से परे काम करना है।

ऐसे समय में, जब भारत की ग्रामीण अर्थव्यवस्था घटते कृषि लाभ और स्थिर मजदूरी के साथ लंबे समय से संकट में है, तब कृषि आंदोलन को राजनीतिक प्रभाव हासिल करने के लिए व्यापक बनाने की दरकार होगी। इसके लिए विभिन्न वर्गों के किसानों को जोड़ने के साथ-साथ वेतनभोगी श्रमिकों को भी एकजुट करना होगा, क्योंकि वे भी ग्रामीण संकट से प्रभावित हो रहे हैं। बाजार की अनिश्चितता की वजह से तेजी से प्रभावित हो रहे कृषि माहौल में सत्ता-प्रतिष्ठान के साथ मजबूत सौदेबाजी करने की हैसियत पाने के लिए किसानों को इसी तरह खुद को एक करना होगा। किसानी, किसान और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को बचाना उनका मूल कर्तव्य है।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

श्रीमती अंजली जैन की कलम से...

छोटी-छोटी बातों में मुस्कुराओं मेरे यारों, जिंदा है हम इस बात की तसल्ली कर लो तुम।

-अंजली जैन
7024460938

ममता का यह कैसा मॉडल!

अजीत द्विवेदी

बीरभूम जिले से रामपुरहाट में दो बच्चों सहित 10 लोगों को जिंदा जलाने की घटना ममता राज की प्रतिनिधि घटना की तरह आज देश के सामने है। तृणमूल कांग्रेस के एक स्थानीय नेता भादू शेख की हत्या का बदला लेने के लिए इस कार्रवाई को अंजाम दिया गया। लोगों को घरों में बंद कर आग लगा दी गई। यह भयावह घटना है। बीरभूम के रामपुरहाट में हुई हिंसा उसी यथास्थितिवादी राजनीति की अंत परिणति है। बच्चों सहित 10 बेकसूर लोगों को जिंदा जला देने की यह घटना ममता की अखिल भारतीय महात्वाकांक्षा की भ्रूण हत्या साबित हो सकती है।

इन दिनों भारत की राजनीति में सफल होने के लिए गवर्नेंस का एक मॉडल पेश करने का चलन शुरू हो गया है। हालांकि ऐसा नहीं है कि विचारधारात्मक राजनीति खत्म हो गई, बल्कि विचारधारा पहले से ज्यादा अहम हो गई है। उत्तर प्रदेश में भाजपा की जीत इसका नमूना है। यह अलग बात है कि भाजपा के नेता खुल कर यह बात मानेंगे नहीं कि हिंदुत्व की विचारधारा और हिंदू कंसोलिडेशन से पार्टी जीती है। वे बुलडोजर और कानून-व्यवस्था की बात कर रहे हैं लेकिन ये दोनों चीजें भी हिंदुत्व की राजनीति के प्रतीक के तौर पर चुनाव में इस्तेमाल की गईं। इसी विचारधारा की राजनीति अरविंद केजरीवाल भी कर रहे हैं। इसके बावजूद भाजपा और आम आदमी पार्टी दोनों गवर्नेंस का एक मॉडल भी लोगों के सामने पेश करते हैं। नरेंद्र मोदी प्रधानमंत्री पद के दावेदार के तौर पर 2013 में जब आम चुनाव में उतरे तब उन्होंने गुजरॉत मॉडल पेश किया। पूरे देश में गुजरात गाथा सुनाई गई और बताया गया कि कैसे बतौर मुख्यमंत्री मोदी ने गुजरात का कायाकल्प कर दिया। उसकी हकीकत लोग बाद में जाने तब तक कहानी आगे बढ़ चुकी थी और अब मोदी मॉडल पूरे देश में चल रहा है। इसको चुनौती देने के लिए केजरीवाल ने दिल्ली मॉडल पेश किया है। पंजाब में यह मॉडल दिखा कर उन्होंने चुनाव जीत लिया और अब गुजरात, हिमाचल प्रदेश में इसके प्रदर्शन की तैयारी है। यह मॉडल मुफ्त सेवाएं और नकद पैसे देने का है। उधर मणिपुर के चुनाव में जदयू को छह सीटें मिलीं तो उसके नेताओं ने कहा कि न्याय के साथ विकास का नीतीश कुमार का बिहार मॉडल मणिपुर में चला है।

तभी सवाल है कि पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी कौन सा मॉडल लोगों के सामने पेश करेंगी? उनकी राष्ट्रीय महत्वाकांक्षा हिलोरें मार रही हैं और वे दिल्ली, मुंबई की दौड़ लगा रही हैं।

स्टेशन रोड, इंदिरा मार्केट, दुर्ग के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करे
9827806026, 7869620239

श्रीकंचनपथ

छत्तीसगढ़

खास खबर

बाड़ियों में सब्जी उत्पादन से पोषण के साथ अतिरिक्त आमदनी भी - डॉ. चंदेल

रायपुर। इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के सब्जी विज्ञान विभाग द्वारा आज यहां अखिल भारतीय समन्वित सब्जी अनुसंधान परियोजना के अंतर्गत कृषक प्रशिक्षण एवं सब्जी बीज वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. गिरीश चंदेल थे। इस कार्यक्रम में उत्तर बस्तर कांकेर जिले के 50 कृषकों को भिंड़ी, बरबट्टी, मटर तथा धनिया के बीज बैंगन, टमाटर तथा मुनगा के पौधे और शकरकंद की कलमें प्रदान की गई। इन किसानों को राइजोबियम कल्चर तथा जैविक खाद किट भी उपलब्ध कराई गई। इसके साथ ही उन्हें विभिन्न सब्जी सफ्लों के उत्पादन की तकनीक तथा उनके कीटों तथा व्याधियों से बचाव हेतु मार्गदर्शन भी दिया गया। कृषकों को संबोधित करते हुए डॉ. चंदेल ने कहा कि छत्तीसगढ़ के गांवों में आज भी बाड़ियों में सब्जियां उगाने की परंपरा है। बाड़ियों में सब्जी उत्पादन से जहां किसान परिवारों को ताजी और पौष्टिक सब्जियां प्राप्त होती है वहीं इनके विक्रय से अतिरिक्त आमदनी भी प्राप्त होती है। उन्होंने कहा कि अखिल भारतीय समन्वित सब्जी अनुसंधान परियोजना के तहत कृषक परिवारों का विभिन्न सब्जी फसलों के उन्नत बीज तथा पौधे वितरित किया जाना एक सराहनीय प्रयास है। उन्होंने इसक लिए सब्जी विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. नीरज शुक्ला, प्रमुख अनवेषक डॉ. धनंजय शर्मा तथा अन्य वैज्ञानिकों को बधाई एवं शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर कृषि महाविद्यालय, रायपुर के प्रभारी अधिष्ठाता डॉ. के. टेडिया, फसल विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. प्रभाकर सिंह, डॉ. सी.पी. खरे, डॉ. जितेन्द्र त्रिवेदी, डॉ. प्रवीण शर्मा, डॉ. गजेन्द्र चन्द्राकर, डॉ. अनु वर्मा सहित अनेक कृषि वैज्ञानिक उपस्थित थे।

दिल्लीवासियों को भी भाया छत्तीसगढ का हस्तशिल्प

कोसा सिल्क के कपड़ों में विशेष छूट से ग्राहकों में उत्साह

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। नई दिल्ली के राजीव गांधी हैंडीक्राफ्ट्स भवन स्थित छत्तीसगढ़ स्टेट एम्पोरियम में हाथकरघा और हस्तशिल्प उत्पादों पर ग्राहकों के लिए छूट दी जा रही है। ग्राहक कम कीमतों पर सिल्क कोसे के कपड़े सहित अन्य उत्पाद खरीद सकेंगे।

इस दस दिवसीय प्रदर्शनी-सह-विक्रय सेल का उद्घाटन डॉ. एम गीता आवासीय आयुक्त छत्तीसगढ़ शासन ने किया। हस्तनिर्मित शिल्प को अपनाने और प्रोत्साहित करने के लिए ग्राहकों को उत्पादों पर छूट दी जा रही है।

विशेष छूट, ग्राहकों में उत्साह

प्रदर्शनी-सह-विक्रय सेल में बेलमेटल से लेकर सिल्क कोसे के रेडीमेड कपड़ों की विभिन्न वेराइटी उपलब्ध कराई गई है।

छत्तीसगढ़ राज्य के बुनकरों द्वारा तैयार किए गए रेडीमेड कपड़ों में सिल्क कोसे की ब्लाउज़, शर्ट, कुर्ते-कुर्तियां, जैकेट, साड़ियाँ आदि उपलब्ध है। इन कपड़ों में छत्तीसगढ़ की कला और संस्कृति को हस्तकला के माध्यम से उकेरा गया है। राजधानी दिल्ली में छत्तीसगढ़ की हाथकरघा और हस्तशिल्प उत्पादों की विशेष मांग है, इसे देखते हुये छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा छत्तीसगढ़ स्टेट एम्पोरियम स्थापित किया गया है। जिसे लेकर दिल्ली के ग्राहकों में खासा उत्साह रहता है। एम्पोरियम में कोसे की ड्रेस मटेरियल, हैंडलूम फेब्रिक, प्राकृतिक रंगों से तैयार कपड़े उपलब्ध हैं, वहीं सिल्क की साड़ियाँ यहाँ विभिन्न रंगों में उपलब्ध कराई गई है।

इन साड़ियों में आदिवासी संस्कृति की झलक स्पष्ट दिखती है। इनमें खापा टैम्पल, जाला बूटा आदि विभिन्न वेराइटी की साड़ियाँ भी विक्रय के लिए उपलब्ध है। एम्पोरियम में छत्तीसगढ़ की बेजोड़ धातु शिल्पकला को भी आकर्षक ढंग से प्रस्तुत किया गया है। छत्तीसगढ़ की बेलमेटल शिल्पकला से उत्कृष्ट मूर्तियाँ बनाई जाती है। ग्रामीण शिल्पियों की इन कलाकृतियों को लेकर लोगों में विशेष रूचि रहती है। इन कलाकृतियों में आदिवासी जीवनशैली और संस्कृति से संबंधित, वन्यजीव, देवी-देवताओं की मूर्तियाँ की झलक दिखती है।

राज्यपाल ने सूरजपुर जिले के पंडो नगर में बने राष्ट्रपति भवन का किया अवलोकन

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राज्यपाल सुश्री अनुसुईया उइके ने सूरजपुर जिले के पंडो नगर में बने राष्ट्रपति भवन का अवलोकन किया। इस दौरान उन्होंने प्रथम राष्ट्रपति डॉ. राजेन्द्र प्रसाद के छायाचित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया।

राज्यपाल ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि बड़े गर्व की बात है कि देश के प्रथम राष्ट्रपति ने गांव के इस छोटे से भवन में रात्रि विश्राम कर अति पिछड़े जनजातीय समुदाय से भेंट की और उन्हें अपना दत्तक पुत्र होने की घोषणा की थी।

राज्यपाल ने पूरे परिसर का भ्रमण कर भवन के ऐतिहासिक महत्व के संबंध में विस्तारपूर्वक जानकारी ली। उन्होंने अधिकारियों को इसके बेहतर रख-रखाव के निर्देश भी दिए। इस दौरान उन्होंने गांव के पीएटी में चयनित पंडो जनजाति के 3 विद्यार्थियों सहित पंडो जनजाति के वरिष्ठ सदस्यों एवं पदाधिकारियों का सम्मान कर उनकी हौसला अफ्जाई की।

तत्पश्चात् राज्यपाल सुश्री उइके ने इसके परिसर में पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए आम और कटहल का पौधा रोपित किया। उन्होंने ग्रामवासियों से पेड़-पौधे व वन संरक्षण का भी आग्रह किया।

इस अवसर पर सरगुजा कमिश्नर जी.आर. चुरेंद्र, सूरजपुर कलेक्टर डॉ. गौरव कुमार सिंह, एसपी राजेश अग्रवाल, विशेष पिछड़ी जनजाति संगठन के प्रदेश अध्यक्ष उदय कुमार पण्डो, समाज के प्रदेश सचिव देवचंद पण्डो सहित समाज के जनप्रतिनिधि उपस्थित थे।

कलेक्टर ने राजीव गांधी आश्रय योजना के संबंध में प्राधिकृत अधिकारियों की ली समीक्षा बैठक

योजना के तहत हितग्राहियों को मिलेंगे भूमि के स्थाई पट्टे

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। कलेक्टर सौरभ कुमार की अध्यक्षता में आज यहां कलेक्टोरेट परिसर स्थित सभाकक्ष में राजीव गांधी आश्रय योजना के संबंध में समस्त प्राधिकृत अधिकारियों की समीक्षा बैठक हुई। कलेक्टर ने रायपुर नगर निगम अंतर्गत सभी प्राधिकृत अधिकारी जोन आयुक्तों से पूर्व में हुए सर्वे, सर्वे के लिए छुटे हुए क्षेत्रों, सर्वे का प्रारूप तथा हितग्राहियों से ली जाने वाली जानकारी, दावा आपत्ति, पट्टा वितरण सहित अन्य विषयों पर विस्तार से चर्चा की।

कलेक्टर ने अधिकारियों से कहा कि राज्य सरकार द्वारा दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए हितग्राहियों को अधिकार दिया जाना है तथा सभी पात्र हितग्राहियों को पट्टा मिल सके यह सुनिश्चित करना होगा। कलेक्टर ने कहा कि सर्वे का कार्य अप्रैल के प्रथम सप्ताह से शुरू की जाएगी। सर्वे में ग्रामीण क्षेत्रों के पटवारियों की भी मदद ली जाए ताकि सर्वे का कार्य व्यवस्थित रूप से समय सीमा में हो सके। उन्होंने सर्वे हेतु प्रारूप अद्यतन करने तथा टीम गठन करने आदि के लिए अपर कलेक्टर, एसडीएम और जोन आयुक्तों को निर्देशित किए।

अपर कलेक्टर बी.बी.पंचभाई ने बताया कि 19 नवंबर 2018 को शहरी क्षेत्रों में शासकीय नजूल, स्थानीय निकाय, विकास प्राधिकरण की भूमि में निवास करने वाले आवासहीनों को ऐसी अधिभोग की भूमि के पट्टे की पात्रता होगी जिसका उस पते का राशनकार्ड बना हो। राशन कार्ड न हो तो नियम में उल्लेखित अन्य प्रमाणिक दस्तावेजों के आधार पर सत्यापन पश्चात उसे पट्टा प्रदान किया जायेगा। जिसमे मतदाता सूची, विद्युत देयक, टेलीफोन बिल, संपत्तिकर, समेकित कर, जलकर भुगतान दस्तावेज, भवन अनुज्ञा, दुकान अनुज्ञा, अंतिम तिथि के पूर्व में जारी आधार कार्ड, ड्राइविंग लाइसेंस जैसे दस्तावेज शामिल है।

उन्होंने बताया कि पट्टा हेतु निर्धारित क्षेत्रफ्ल रायपुर नगर निगम हेतु 600 वर्गफुट तक निर्धारित है। झुग्गीवासी भूमिहीन व्यक्ति के पट्टे के लिये कोई प्रब्याजी या भूभाटक नहीं लिया जायेगा। 10 वर्षों तक प्रतिवर्ष 15 रूपये प्रति वर्गफुट विकास शुल्क लिया जायेगा। झुग्गीवासी किरायेदार के रुप में निवास कर रहा है तब भी पट्टे की पात्रता किरायेदार को ही होगी। किसी भी परिस्थिति में झुग्गी के मालिक को जिसने किराये पर झुग्गी दे रखी है, को पट्टा नहीं दिया जायेगा। पट्टा हेतु प्रतिषेध क्षेत्रफ्ल नगरीय क्षेत्रों में सड़क, तालाब, नहर तथा सार्वजनिक उपयोग की भूमि पर काबिज है, तब उस भूमि की पट्टे की पात्रता नही होगी।

अपर कलेक्टर ने बताया कि प्रत्येक क्षेत्र के लिये 20 कॉलम वाला प्रारुप क में एक रजिस्टर तथा अधिभोग के अधीन भूखण्ड को दर्शाने वाली स्थल कार्ययोजना तैयार की जायेगी। सर्वेक्षण उपरांत सर्वेक्षण दल से प्राप्त रिपोर्ट को सूचीबद्ध कर पात्र व्यक्तियों के नाम, भूमि का विवरण, पट्टा हेतु रकबा का विवरण, वार्ड-बस्ती का नाम सूचीबद्ध कर 07 दिवस की कालावधि में दावा आपत्ति लेने की कार्यवाही की जाएगी। पात्र व्यक्ति की सूची का प्रकाशन संबंधित नगरीय निकाय, जोन कार्यालय, प्राधिकृत अधिकारी के कार्यालय में किया जाना उचित होगा।

उन्होंने बताया कि निवास गृह से अभिप्रेत एक मंजिली झापेड़ी या एक मंजिली अधिरचना से है। भूमिहीन व्यक्ति से अभिप्रेत कोई ऐसा व्यक्ति जो किसी नगरीय क्षेत्र में जहाँ वह वास्तविक रुप से निवास कर रहा है कोई मकान या भूमि या तो अपने स्वयं के नाम पर या अपने कुटुंब के किसी सदस्य के नाम से स्वामित्व में नहीं रखता हो। पट्टा पति एवं पत्नि दोनो के संयुक्त नाम पर तैयार किया जायेगा।

छत्तीसगढ़ हाट परिसर में सजी गजल एवं सुगम संगीत की शाम

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ खादी तथा ग्रामोद्योग बोर्ड द्वारा रायपुर के पंडरी स्थित छत्तीसगढ़ हाट परिसर में आज शाम गजल एवं सुगम संगीत की शानदार प्रस्तुति कलाकारों द्वारा दी गई। इस 10 दिवसीय राज्य स्तरीय खादी एवं ग्रामोद्योग प्रदर्शनी में संध्याकालीन सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। अन्तर्राष्ट्रीय भजन एवं गजल गायक श्री प्रभन्जय चतुर्वेदी व समूह द्वारा गजल एवं सुगम गायन की शानदार प्रस्तुति से दी गई।

उल्लेखनीय है कि श्री चतुर्वेदी को लता मंगेशकर पुरस्कार और छत्तीसगढ़ शासन द्वारा चक्रधर सम्मान से सम्मानित किया जा चुका है।

छत्तीसगढ़ खादी तथा ग्रामोद्योग बोर्ड द्वारा आयोजित प्रदर्शनी में संस्कृति विभाग के सहयोग से स्थानीय लोक कलाकारों को प्रतिदिन सांस्कृतिक प्रस्तुति के लिए मंच उपलब्ध कराया है। सांस्कृतिक कार्यक्रम लोगों के आकर्षण का केन्द्र बना हुआ है। छत्तीसगढ़ हाट परिसर में छत्तीसगढ़ी लोक संगीत यहां आने वाले लोगों को लुभा रहा है। आमजन यहां छत्तीसगढ़ी लोक गीत एवं नृत्य का आनंद उठा रहे हैं।

गौरतलब है कि ग्रामोद्योग मंत्री गुरु रूद्रकुमार ने 22 मार्च को श्री राजेन्द्र तिवारी की अध्यक्षता में राज्य स्तरीय छत्तीसगढ़ खादी तथा ग्रामोद्योग प्रदर्शनी का शुभारंभ किया गया था। इस प्रदर्शनी का आयोजन छत्तीसगढ़ खादी तथा ग्रामोद्योग बोर्ड द्वारा किया गया है। इस कार्यक्रम का प्रायोजक खादी तथा ग्रामोद्योग आयोग है। दस दिवसीय आयोजन के दौरान प्रत्येक दिवस संध्या 7 बजे से संस्कृति विभाग के सहयोग से विभिन्न प्रकार के सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित किये जा रहे हैं। सांस्कृतिक संध्याकालीन कार्यक्रम में शनिवार को अंचल शर्मा और साथी द्वारा आर्केस्ट्रा एवं सुगम संगीत की प्रस्तुति दी जाएगी। सांस्कृतिक संध्या कार्यक्रम में बड़ी संख्या में दर्शकगण उपस्थित थे।

मोर गाँव मोर पानी अभियान अंतर्गत एक दिवसीय प्रशिक्षण का आयोजन

कांकेर। मोर गाँव मोर पानी अभियान के तहत एक दिवसीय जल चैपाल सह प्रशिक्षण का आयोजन संयुक्त कार्यालय कलेक्ट्रेट के सभाकक्ष में किया गया। प्रशिक्षण में जल जीवन मिशन के अन्तर्गत लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग एवं जिला जल एवं स्वच्छता मिशन कांकेर द्वारा वाटरएड इंडिया के सहयोग से क्रियान्वयन एवं सहायता ऐजेंसी एवं अध्यक्ष ग्राम जल एवं स्वच्छता समिति के सदस्यों को एक दिवसीय प्रशिक्षण दिया गया। सरपंचों ने एक दिवसीय प्रशिक्षण में शामिल हुए।

खास खबर

कलेक्टर ने दिव्यांगों का डोर टू डोर सर्वेक्षण कराए जाने अधिकारियों को किया निर्देशित

रायपुर। कलेक्टर सौरभ कुमार ने समाज कल्याण विभाग छत्तीसगढ़ शासन के पत्र तथा माननीय उच्चतम न्यायालय में पारित आदेश के परिपालन में रायपुर जिला में दिव्यांगों के सर्वेक्षण कराए जाने हेतु अधिकारियों को निर्देशित किया है। उन्होंने अधिकारियों से कहा की रायपुर जिले में दिव्यांगजनों का समय-सीमा में सर्वेक्षण कर उनकी दिव्यांगता के अनुसार गणना तथा उनकी आवश्यकताओं का आंकलन किया जाए। कलेक्टर ने बताया कि समाज कल्याण विभाग द्वारा उक्त सर्वेक्षण हेतु एकेडमी ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज, लखनऊ उत्तर प्रदेश को अधिकृत किया गया है।

कलेक्टर ने दिव्यांगजनों के सर्वेक्षण में संबंधित सर्वेक्षणकर्ता एजेंसी को आवश्यक सहयोग प्रदान करने एवं पर्यवेक्षण हेतु नगर निगम क्षेत्र में संबंधित आयुक्त नगर निगम, जनपद पंचायत स्तर पर संबंधित मुख्य कार्यपालन अधिकारी-जनपद पंचायत एवं नगरपालिका/नगर पंचायत क्षेत्र में संबंधित मुख्य नगर पालिका अधिकारी को नोडल अधिकारी नियुक्त किया है तथा जिला स्तर पर समाज कल्याण विभाग जिला कार्यालय रायपुर के संयुक्त संचालक को प्रभारी अधिकारी की जिम्मेदारी सौंपी है। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को जिले के समस्त शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में दिव्यांगजनों का समय-सीमा में सर्वेक्षण हेतु व्यवहारिक कार्ययोजना तैयार कर संबंधित एजेंसी को सर्वेक्षण कार्य में आवश्यक सहयोग प्रदान करने कहा है।

राज्य स्तरीय जनजातीय कला एवं चित्रकला प्रतियोगिता 19 से 21 अप्रैल तक

रायपुर। आदिम जाति अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान रायपुर द्वारा 19 से 21 अप्रैल तक तीन दिवसीय राज्य स्तरीय जनजातीय कला एवं चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। इच्छुक प्रतिभागी 8 अप्रैल तक पंजीयन फॉर्म ई-मेल ntlf.trtirpr@gmail.com अथवा कार्यालय में स्वयं उपस्थित होकर जमा कर सकते है। संचालक आदिम जाति अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान से मिली जानकारी के अनुसार तीन दिवसीय प्रतियोगिता का आयोजन रायपुर के साइंस कॉलेज परिसर स्थित पंडित दीनदयाल उपाध्याय ऑडिटोरियम में होगा। जनजातीय चित्रकला प्रतियोगिता 3 आयु वर्ग में होगी। प्रतियोगिता का आयोजन 12 से 18 वर्ष, 18 से 30 वर्ष और 30 वर्ष से अधिक आयु वर्ग में होगी। इसी प्रकार हस्तशिल्प कला प्रतियोगिता 2 आयु वर्ग में होगा। जिसमें 18 से 30 और 30 से ऊपर आयु वाले वर्ग के लिए प्रतियोगिता का आयोजन होगा। प्राप्त जानकारी के अनुसार प्रतियोगिता में दिव्यांग कलाकारों की विशेष प्रतिभागिता होगी। हस्तकला प्रतियोगिता में बांस कला, काष्ठ कला, बेल मेटल, माटी कला, तुमा कला, छिंदकला, शीषल कला और लौह शिल्प कला में प्रतिभागी भाग ले सकेंगे। विस्तृत जानकारी संस्थान की वेबसाइट cgtrti.gov.in में अपलोड की गई है।

राज्य में तिलहन फसलों की बोआई अंतिम चरण में

रायपुर। राज्य में रबी वर्ष 2021-22 में तिलहन फसलों की बुआई अंतिम चरण में है। अब तक राज्य में 2 लाख 33 हजार 510 हेक्टेयर में विभिन्न प्रकार की तिलहन फसलों की बोआई की जा चुकी है। बीते वर्ष रबी सीजन में राज्य में 2 लाख 17 हजार 730 हेक्टेयर में तिलहन फसलों की खेती की गई थी। कृषि विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार रबी वर्ष 2021-22 में तिलहन फसलों की खेती के लिए 3 लाख 520 हेक्टेयर का लक्ष्य निर्धारित है। जिसके विरूद्ध 21 मार्च की स्थिति में 2 लाख 33 हजार 510 हेक्टेयर में बोनी पूरी कर ली गई है, जो कि इस साल के लक्ष्य का 78 फीसद है। आगामी एक सप्ताह में तिलहनी फसलों की शत-प्रतिशत बोनी पूरी होने की उम्मीद है। इस साल राई, सरसों और तोरिया की बोनी एक लाख 51 हजार 550 हेक्टेयर में की जा चुकी है। इसी तरह असली की बोनी 44 हजार 760 हेक्टेयर में, तिल 1460 हेक्टेयर में, सूरजमुखी 4160 हेक्टेयर में, कुसुम 6040 हेक्टेयर में, मूंगफली 25080 हेक्टेयर में तथा अन्य तिलहन फसलों की बोनी 460 हेक्टेयर में पूरी कर ली गई है।

राज्य सरकार की योजनाओं से छत्तीसगढ़ के सभी वर्गों का हो रहा है विकासः शिवकुमार डहरिया

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। नगरीय प्रशासन विकास एवं श्रम मंत्री डॉ शिव कुमार डहरिया ने कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार गांव, गरीब, किसान सभी वर्गों के विकास के लिए काम कर रही है। उन्होंने कहा कि सरकार की योजनाओं से सभी वर्ग के लोग लाभान्वित हो रहे हैं और उनके विकास का मार्ग प्रशस्त हो रहा है। डॉ. डहरिया ने जांजगीर-चांपा के अकलतरा विकासखंड के ग्राम अर्जुनी में जय स्तंभ और जानकी मंदिर के उद्घाटन समारोह को मुख्य अतिथि की आसंदी से संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण मंडल की सदस्य मंजू सिंह भी उपस्थित थीं। डॉ. डहरिया ने अपने उद्बोधन में राज्य शासन की विभिन्न योजनाओं का जिक्र करते हुए कहा कि सरकार द्वारा संचालित योजनाओं से सभी वर्ग के लोगों को लाभ मिल रहा है। उन्होंने कहा कि शासन की सार्वजनिक वितरण प्रणाली का लाभ एपीएल वर्ग के परिवारों को भी मिल रहा है।

डॉ. डहरिया ने अपने उद्बोधन में गोधन न्याय योजना ,बाड़ी विकास, गौठान, नरवा विकास योजना, स्टॉप डेम आदि का जिक्र करते हुए कहा कि इन योजनाओं से ग्रामीण अर्थव्यवस्था सुदृढ़ हो रही है। स्व सहायता समूह की महिलाएं आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर हो रहीं हैं। नगरीय प्रशासन मंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ अपने समन्वित विकास की ओर अग्रसर है। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा अपने किए गए अधिकांश वादे पूरे कर दिए गए हैं। इनमें किसानों की कर्ज माफी, बिजली बिल हाफ योजना आदि शामिल है। अपने उद्बोधन में उन्होंने अर्जुनी में सतनाम समुदायिक भवन निर्माण के लिए 10 लाख रूपये की घोषणा की। इसके पूर्व डॉ. डहरिया ने जय स्तंभ और जानकी मंदिर का विधिवत उद्घाटन किया। कार्यक्रम को पूर्व विधायक चुन्नीलाल साहू, राघवेन्द्र कुमार सिंह ने भी संबोधित किया। इस अवसर पर सर्वश्री राजकुमार अंचल, पप्पू बघेल, खुलन सोनवानी, दिलेश्वर साहू, सरपंच गीता कुर्रे, सुशांत सिंह, शिव भारद्वाज, महेश्वर टंडन, वहीद खान, दिलावर राणा, गजानंद बंजारे, गणमान्य नागरिक, मीडिया प्रतिनिधि, बड़ी संख्या में ग्रामीण जन उपस्थित थे।

श्रमिको के बच्चों को 42.33 लाख से ज्यादा की शैक्षणिक छात्रवृत्ति वितरित

श्रम मंत्री डॉ. डहरिया ने हितग्राही छात्रों को चेक प्रदान कर छात्रवृत्ति वितरण का किया शुभारंभ

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। नगरीय प्रशासन, विकास एवं श्रम मंत्री डॉ. शिवकुमार डहरिया ने रायपुर में छत्तीसगढ़ श्रम कल्याण मंडल की शैक्षिणिक छात्रवृत्ति योजना के अंतर्गत श्रमिकों के बालक-बालिकाओं को वर्ष 2021-22 के लिए हितग्राही छात्र-छात्राओं को चेक प्रदान कर छात्रवृत्ति वितरण किया। राज्य के विभिन्न जिलों के लिए करीब 1682 श्रमिकों के बच्चों को 42 लाख 33 हजार 500 रूपए की छात्रवृत्ति का वितरण चेक और आरटीजीएस के माध्यम से किया गया।

श्रम मंत्री डॉ. डहरिया ने कहा कि श्रम विभाग के अधिकारियों को छत्तीसगढ़ श्रम कल्याण मंडल की शैक्षणिक छात्रवृत्ति योजना के तहत पंजीकृत श्रमिको के सभी बालक-बालिकाओं जो स्कूल एवं कॉलेजों में अध्ययनरत है, उन्हें लाभांवित करें। उन्होंने हितग्राही छात्र-छात्राओं को मेहनत एवं लगन से अध्ययन करने कहा। उन्होंने कहा कि छात्रों को छत्तीसगढ़ शासन द्वारा मदद दी जाएगी। श्रम कल्याण मंडल के अधिकारियों ने बताया कि श्रमिकों के अध्ययनरत बच्चों को कक्षा पहली से आठवीं तक एक हजार 500 रूपए, कक्षा नवमी से बारहवी तक तीन हजार रूपए, स्नातक स्तर बी.ए., बी.कॉम, बी.एस.सी., आईटीआई एवं नर्सिंग इत्यादि को पांच हजार रूपए, स्नातक स्तर के व्यवसायिक पाठ्यक्रय इंजीनियरिंग, मेडिकल एवं अन्य छात्रों को आठ हजार रूपए और स्नातकोत्तर के छात्रों को दस हजार रूपए की छात्रवृत्ति प्रतिवर्ष प्रदान की योजना है। इस अवसर पर श्रम कल्याण मंडल के अध्यक्ष, शफी अहमद, आयुक्त दिव्यांश सिन्हा सहित संचालक मंडल के सदस्य शारिक रईस खान, मनोज सिंह ठाकुर, अंबालिका साहू, नरेश देवांगन, झुमुक साहू, नवीन सिंह एवं मंडल के अधिकारी मौजूद थे।

सीएम भूपेश से एनएसयूआई के छात्र नेताओं ने मिलकर ऑनलाइन परीक्षा कराने की मांग की

रायपुर (ए)। प्रदेश के सभी विश्वविद्यालयों में ऑनलाइन प्रणाली से परीक्षा कराने की मांग को लेकर एनएसयूआई प्रदेश अध्यक्ष नीरज पांडेय के नेतृत्व में छात्र नेताओं ने देर शाम मुख्यमंत्री निवास पहुंचकर मुख्यमंत्री भूपेश बघेल को ज्ञापन सौंपकर ऑनलाइन प्रक्रिया से परीक्षा कराने की मांग की।

एनएसयूआई प्रदेश अध्यक्ष नीरज पांडेय ने कहा कि कोरोना काल के कारण प्रदेश के सभी विश्वविद्यालयों के महाविद्यालयों में ऑनलाइन प्रक्रिया से पढ़ाई हुई है इसलिए जैसी शिक्षा वैसी परीक्षा के तहत परीक्षा प्रक्रिया भी ऑनलाइन कराई जाए।

छात्रहित मे ऑफलाइन परीक्षा ली जानी आवश्यक

नीरज पांडे ने कहा कि दसवीं एवं बारहवीं की परीक्षा एवं ग्रेजुएशन की परीक्षा में अंतर है। दसवीं एवं बारहवी के विद्यार्थियों को भविष्य में उनके मार्कशीट एवं मान्यता को लेकर कही कोई व्यवधान उत्पन्न ना हो और उनके परीक्षा विधि की मान्यता छत्तीसगढ़ समेत अन्य प्रदेशों में भी बनी रहे जिसको ध्यान में रखते हुए उनकी ऑफलाइन परीक्षा ली जानी आवश्यक है। परंतु ग्रेजुएशन के विद्यार्थियों का विषय एवं हायर सेकेंडरी/सेकेंडरी का विषय भिन्न है।

पूर्व सत्र की भांति इस सत्र में भी कालेजो में पढ़ाई रही शून्य

कोरोना संक्रमण के चलते पूर्व सत्र की भांति इस सत्र में भी कालेज में पढ़ाई शून्य रही जिसके चलते किसी भी छात्र को पाठ्यक्रम तक की सही से जानकारी नहीं रही। उस दौरान पढ़ाई को लेकर उच्च शिक्षा विभाग अथवा प्रशासन द्वारा भी बल नहीं दिया गया। जिसके चलते आज यह विकट परिस्थिति विद्यार्थियों के समक्ष उत्पन्न हुई है। ऐसे में ऑनलाइन एग्जाम करवाया जाना आवश्यक है।

इस दौरान एनएसयूआई पूर्व प्रदेश अध्यक्ष आकाश शर्मा, एनएसयूआई प्रदेश उपाध्यक्ष अमित शर्मा, प्रदेश महासचिव अख्तर अली, राष्ट्रीय संयोजक हनी बग्गा, विनोद कश्यप, कृष्णा सोनकर, निखिल बंजारी, महताब हुसैन, विशाल राजपूत, केशव सिन्हा, जयंत बघेल समेत छात्र नेता मौजूद थे।

गर्मियों में पित्तशामक आहार और दिनचर्या का पालन करें

खुले में बिकने वाले पेय व खाद्य पदार्थों से करें परहेज, सुबह-शाम ठंडे पानी से नहाएं

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। हमारी सेहत पर खान-पान और मौसम का बहुत ज्यादा प्रभाव पड़ता है। आयुर्वेद चिकित्सा पद्धति में शरीर को त्रिदोषात्मक यानि वात, पित्त और कफदोष माना गया है जिनके सामान्य अवस्था में रहने से शरीर स्वस्थ रहता है तथा इनमें बदलाव होने से बीमारी होती है। गर्मियों में लू लगने के साथ ही दूषित जल या भोजन से पेट से संबंधित अनेक रोग जैसे उल्टी, दस्त, डायरिया, पीलिया और टायफाइड होने की संभावना रहती है। इसलिए बाजार और खुले में बिकने वाले पेय एवं खाद्य पदार्थों के सेवन में परहेज करना चाहिए।

शासकीय आयुर्वेद कॉलेज, रायपुर के सह-प्राध्यापक डॉ. संजय शुक्ला ने बताया कि आयुर्वेद पद्धति में कुल छह ऋतु हेमंत, शिशिर, वसंत, ग्रीष्म, वर्षा और शरद माने गए हैं। इस पद्धति में सभी ऋतुओं में शारीरिक स्वास्थ्य को उत्तम रखने के लिए खान-पान, पहनावा, दिनचर्या और औषधियों की व्यवस्था सुनिश्चित है। आयुर्वेद पद्धति में बताए गए खान-पान, दिनचर्या और सावधानियों को अपनाकर हर मौसम में सेहतमंद रहा जा सकता है। गर्मियों के मौसम में गरम, खटाई, तीखा, नमकीन, तला-भुना, तेज मिर्च-मसालेदार, उड़द दाल, मैदा और बेसन से बने खाद्य पदार्थों, फास्ट-फूड, मांसाहार और शराब का सेवन सेहत के लिए नुकसानदायक होता है। इसलिए इनका परहेज करना चाहिए। इस मौसम में शारीरिक स्वच्छता आवश्यक है, इसलिए सुबह और शाम ठंडे पानी से स्नान करना चाहिए।

डॉ. संजय शुक्ला ने बताया कि आयुर्वेद के अनुसार ग्रीष्म ऋतु में शरीर में पित्त दोष की अधिकता रहती है इसलिए व्यक्ति को पित्तशामक आहार और दिनचर्या का पालन करना चाहिए। चूंकि गर्मियों में सूर्य की तपिश बहुत ज्यादा होती है, फलस्वरूप लोगों में डिहाइड्रेशन, थकान, घबराहट और बेहोशी जैसे लक्षण दिखाई देते हैं। शरीर में पानी एवं अन्य इलेक्ट्रोलाइट्स मिनरल्स की मात्रा संतुलित रखने के लिए आयुर्वेद में हल्का, सुपाच्य, मधुर रस वाले स्वच्छ ठंडा या उबाले हुए तरल पेय पदार्थों के सेवन करने का निर्देश है। गर्मियों में पीसा जीरा और नमक मिलाकर मठा यानि छाछ, दही की लस्सी, दूध, कच्चे आम का जलजीरा, नींबू की शिकंजी या शरबत, घर में बनी ठंडाई, गन्ने का रस, बेल का शरबत, नारियल पानी, मौसमी एवं ताजे फलों का रस इत्यादि पीना चाहिए।

नंदनी रोड, लिंक रोड, सर्कुलर मार्केट, जवाहर मार्केट पावर हाउस, भिलाई के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-
9303289950, 9827806026, 8962815243

जूनियर एनटीआर को देखने पहुंचे 10 लाख फैंस के लिए सरकार ने चलवाई थीं 9 स्पेशल ट्रेन

तेलुगु सुपरस्टार जूनियर एनटीआर एसएस राजामौली के निर्देशन में बनी फिल्म आरआरआर में नजर आ रहे हैं। तारक और जूनियर एनटीआर जैसे नामों से पसंद किए जाने वाले वर्सेटाइल एक्टर नंदमुरी तारक रामा राव ने 'स्टूडेंट नं 1', 'राखी', 'सिम्हाद्री', 'टेंपर', 'प्रेमाथो', 'जनता गैराज' और बादशाह जैसी कई बेहतरीन फिल्में दी हैं जिनसे उनके लाखों चाहने वाले हैं। जूनियर एनटीआर की साउथ में तगड़ी फैन फॉलोविंग हैं, जिसका फायदा जाहिर तौर पर इस पैन इंडिया फिल्म को मिलेगा। आइए जानते हैं कैसे शुरू हुआ जूनियर एनटीआर का फिल्मी करियर और कैसे वो बने साउथ के सबसे पॉपुलर स्टार-

एक्टर और राजनेता के परिवार से हैं एक्टर

जूनियर एनटीआर उर्फ तारक का जन्म 20 मई 1983 को तेलुगू के पॉपुलर एक्टर नंदामुरी हरिकृष्णा के घर हुआ था। जूनियर एनटीआर के दादा एनटी रामा राव आंध्रप्रदेश के पूर्व सीएम और फॉर्मर तेलुगू एक्टर थे। दादा के सुझाव के बाद तारक का नाम बदलकर एनटीआर किया गया था, लेकिन नाम के कन्फ्यूजन से बचने के लिए उन्हें जूनियर एनटीआर बुलाया जाने लगा। ये एक प्रोफेशनल कुचीपुड़ी डांसर भी हैं।

8 साल में किया एक्टिंग डेब्यू

जूनियर एनटीआर ने महज 8 साल की उम्र में अपने दादाजी की फिल्म ब्रह्मर्षि विश्वमित्रा से बतौर चाइल्ड आर्टिस्ट डेब्यू किया था। इसके बाद वो माइथोलॉजिकल फिल्म रामायणम में राम के रोल में दिखे, जिसे बेस्ट चिल्ड्रन फिल्म के लिए नेशनल अवॉर्ड मिला था।

कैसे मिला पहला लीड रोल?

रामायणम फिल्म की परफॉर्मेंस से इंप्रेस होकर डायरेक्टर के राघवेंद्र ने एसएस राजामौली को अगली फिल्म स्टूडेंट नं 1 के लिए जूनियर एनटीआर के नाम का सुझाव दिया। इस फिल्म को बनने में सालों लगे और इसी बीच जूनियर एनटीआर ने रामोजी राव की फिल्म निन्नू चूड़ालानी से डेब्यू कर लिया। इस समय एनटीआर सिर्फ 17 साल के थे। डेब्यू के बाद जूनियर एनटीआर स्टूडेंट नं 1 (2001), आदी (2002) सिम्हाद्री (2003), टेंपर (2015) जैसी कई हिट फिल्में कीं। आरआरआर से पहले जूनियर एनटीआर एसएस राजामौली के साथ तीन फिल्में स्टूडेंट नं 1, सिम्हाद्री और यामाडोंगा में काम कर चुके हैं।

जूनियर एनटीआर को देखने पहुंचे थे 10 लाख फैंस

साल 2004 में जूनियर एनटीआर आंद्रावाला फिल्म में नजर आए थे। इस

फिल्म के म्यूजिक लॉन्च इवेंट में एक-दो नहीं बल्कि पूरे 10 लाख लोग पहुंचे थे। हैरानी की बात ये थी कि 10 लाख की भीड़ एक जगह इकट्ठा होने के बावजूद न भगदड़ हुई और न ही कोई नुकसान हुआ।

गोद लिया फैन का परिवार

बादशाह (2013) फिल्म के म्यूजिक लॉन्च इवेंट में कई फैंस शामिल हुए थे। इस दौरान एनटीआर के एक फैन की भगदड़ में मौत हो गई थी। एक्टर अब उस फैन के परिवार की जिम्मेदारी उठाते हैं, साथ ही उन्होंने परिवार को 5 लाख रुपए भी दिए थे। एनटीआर के एक फ्लोरिडा बेस्ड फैन ने आरआरआर फिल्म का डायलॉग आसमान में दिखाने के लिए पूरा प्लेन हायर किया था। टू सीटर चार्टेड प्लेन के साथ लिखा गया था, थोक्कुकुंटापोवाले (अब आगे से वार होगा- हिंदी) जय एनटीआर। आरआरआर।

एनटीआर के जन्मदिन पर उनके फैंस ने 13 लाख से ज्यादा बर्थडे पोस्ट की थीं, जो अब तक का रिकॉर्ड है। जूनियर एनटीआर की एक फैन ने टैक्सास में आरआरआर की 75 टिकट खरीदी हैं। वहीं उनका एक क्रेजी फैन ऐसा है जिसने फिल्म रिलीज से एक महीने पहले ही फ्लोरिडा में फर्स्ट शो देखने के लिए पूरा थिएटर ही बुक कर लिया। जूनियर एनटीआर बिग बॉस तेलुगू होस्ट किया था। जब शो के कंटेस्टेंट आदर्श बालाकृष्ण ने अपने सोशल मीडिया पर एक्टर के साथ तस्वीर शेयर की थी। कैप्शन में जब आदर्श ने जूनियर एनटीआर के आगे सर नहीं लिखा तो फैंस ने इतनी धकमियां दीं कि उन्हें माफी मांगनी पड़ी। मई 2009 में जूनियर एनटीआर का एक इवेंट से लौटते हुए नलगोंडा के सूर्यापेट में एक्सीडेंट हुआ था। हादसे में एक्टर को गंभीर चोट आई थीं। ठीक इसी एरिया में एक साल पहले एक्टर के पिता हरिकृष्णा और उनके भाई का निधन भी इसी इलाके में हुए कार एक्सीडेंट में हुआ था।

440 करोड़ की संपत्ति के मालिक हैं जूनियर एनटीआर

साउथ के हाईएस्ट पेड एक्टर में से एक जूनियर एनटीआर हर फिल्म के लिए 20 करोड़ रुपए फीस लेते हैं। उन्होंने आरआरआर के लिए दोगुना 45 करोड़ रुपए फीस ली है। एक्टर की कुल नेटवर्थ 440 करोड़ है। एनटीआर की लकी नंबर 9 है। एक्टर अपनी सभी गाड़ियों में 9 नंबर वाली नंबर प्लेट इस्तेमाल करते हैं।

यूपी पुलिस की साइबर क्रिमिनल को चेतावनी, 'हीरोपंती 2' के ट्रेलर के जरिए दिया स्मार्ट संदेश

कहते हैं कि फिल्मों में वही दिखाया जाता है, जो असल में सच होता है। या यूं कह लें कि फिल्में समाज का दर्पण होती हैं। इसी कहावत को सच करते हुए यूपी पुलिस के साइबर सेल ने लोगों को साइबर क्राइम के प्रति जागरुक करने का एक मजेदार लेकिन बढ़िया मैसेज दिया है। पुलिस ने 'हीरोपंती 2' के ट्रेलर की लाइनें और वीडियो का कुछ हिस्सा लेकर अपनी लाइनें उसमें जोड़कर एक नया वीडियो तैयार किया है, जो संदेश दे रहा है कि साइबर क्राइम करने वाले अपराधी पर पुलिस के चंगुल से बच नहीं सकता है।

उत्तर प्रदेश पुलिस के इस 56 सेकेंड के वीडियो में दिखाया गया है कि टेक्नोलॉजी और इंटरनेट की इस दुनिया में जिस तरीके से साइबर अपराध बढ़ रहा है, ऐसे में उन अपराधियों से निपटने के लिए पुलिस भी स्मार्ट तरीके के तैयार है। पुलिस का साफ संदेश है कि अगर कोई भी नागरिक साइबर क्राइम का शिकार होता है तो वह तुरंत यूपी पुलिस की हेल्पलाइन नंबर पर शिकायत करे।

हीरोपंती 2 का ट्रेलर देखने से पता चलता है कि फिल्म में नवाजुद्दीन सिद्दीकी एक साइबर क्रिमिनल की भूमिका में हैं। जहां पर नवाजुद्दीन का डायलॉग है कि 'लैला साइबर क्राइम की दुनिया का जादूगर है', इसके बाद की क्लिपिंग में पुलिस का जवाब लिखकर आता है- तो साइबर क्राइम हेल्पलाइन 1930/112 उस जादूगर का मंतर। इसके बाद टाइगर श्रॉफ का डायलॉग है-स्टार्ट तूने किया, जवाब में यूपी पुलिस की क्लिपिंग है- खत्म हेल्पलाइन 1930/112 करेगी। हीरोपंती 2

टाइगर श्रॉफ, तारा सुतारिया और नवाजुद्दीन सिद्दीकी की फिल्म हीरोपंती 2 का ट्रेलर रिलीज हो गया है। ये टाइगर की पहली फिल्म हीरोपंती का सीक्वल है। हीरोपंती 2 ईद के दिन 29 अप्रैल को सिनेमाघरों में रिलीज हो रही है। इस फिल्म के निर्देशक अहमद खान हैं।

अफगानिस्तान में शूटिंग का एक्सपीरिएंसः जॉन अब्राहम ने किया खुलासा बोले- काबुल एक्सप्रेस की शूट करते समय तालिबान से मिली थी धमकी

एक्टर जॉन अब्राहम ने 'काबुल एक्सप्रेस' की शूटिंग के दौरान का एक किस्सा शेयर किया है। इसमें उन्होंने यह भी बताया कि अफगानिस्तान में फिल्म की शूटिंग के दौरान तालिबान से धमकी मिली थी। 'काबुल एक्सप्रेस' 2006 में रिलीज हुई थी। यह फिल्म दो इंडियन और एक अमेरिकन जर्नालिस्ट और एक गाइड की कहानी पर बेस्ड है। इसमें जॉन अब्राहम ने इंडियन जर्नलिस्ट सोहेल खान का किरदार निभाया था।

अफगानी लोग प्यारे होते हैं

जॉन ने अपने एक इंटरव्यू में कहा, 'उस समय सोशल मीडिया नहीं था। जब मैं अफगानिस्तान से निकल रहा था तो अफगानी लोगों ने मुझसे कहा कि जॉन जान (भाई) आप कुछ भी करो, लेकिन हमारे अफगानिस्तान के बारे में कुछ भी बुरा मत बोलना। आज मैं ये ऑन रिकॉर्ड कहना चाहता हूं कि अफगानी लोग दुनिया के सबसे सुंदर, सबसे प्यारे लोग हैं। वाकई में बहुत

प्यारे लोग हैं।'

मेरे सामने रॉकेट आया

जॉन ने 'काबुल एक्सप्रेस' की शूटिंग के दौरान के हादसे के बारे में भी बताया। उन्होंने कहा शूटिंग के समय हम अफगानिस्तान के पूर्व राष्ट्रपति मोहम्मद नजीबुल्लाह के घर पर रह रहे थे। वो एक यूएन अप्रूव्ड होटल था। मैं चाय पीने के लिए छत पर गया था और सामने से एक रॉकेट आया और अमेरिकी एंबेसी से टकराया। उस समय कॉन्डोलीजा राइस अफगानिस्तान में अमेरिकी विदेश सचिव हुआ करते थे। एक और घटना थी, जहां एक सुसाइड बॉम्बर ने हमारे वहां पहुंचने के 6 घंटे पहले खुद को उड़ा लिया था। ये भी एक एक्सपीरियंस था।'

जॉन 'अटैक' फिल्म में नजर आएंगे। फिल्म 1 अप्रैल को रिलीज होगी, इसमें उनके साथ जैकलीन फर्नांडिस और रकुल प्रीत सिंह मुख्य भूमिका में हैं। अटैक को जॉन अब्राहम प्रोड्यूस भी कर रहे हैं।

फरदीन खान अपने मरने की अफवाहों पर हुए नाराज, कहा 'दो बार कहा गया कि मैं मर चुका हूं'

पिछले कुछ सालों में बॉलीवुड एक्टर फरदीन खान की दो बार मरने की अफवाहें आ चुकी हैं। हाल ही में, एक्टर ने इस पर नाराजगी जताई और कहा कि रिपोर्ट्स में बताया गया था कि उनकी एक कार एक्सीडेंट में डेथ हो गई है। उन्होंने कहा कि अगर ये झूठी खबर उनके फैमिली या दोस्तों को पता लगी तो क्या होगा।

हाल ही में एक इंटरव्यू के दौरान फरदीन ने कहा था कि, दो बार कहा गया कि मैं एक एक्सीडेंट में मर गया था। इन खबरों ने मुझे परेशान कर दिया, क्योंकि अगर मेरी मां ने यह देखा तो उन्हें हार्ट अटैक आ जाएगा, या

मेरी वाइफ को इस बारे में पता चले या कोई और इस खबर को पढ़े, इसलिए मैं इस गैरजिम्मेदारी को लेकर चिढ़ गया। मुझे लगता है कि यह काफी समय पहले की बात है, जब सबसे पहले रामपाल ने मुझे मैसेज किया 'क्या तुम ठीक हो।' मुझे नहीं पता की उन्होंने यह देखने के लिए फोन किया कि मैं मर गया या जिंदा हूं।

फरदीन बॉलीवुड में हॉरर ड्रामा फिल्म 'विस्फोट' से कमबैक करने जा रहे हैं। बता दें, एक्टर आखिरी बार 2010 में आई फिल्म 'दूल्हा मिल गया' में नजर आए थे, जिसमें सुष्मिता सेन भी लीड रोल में थीं। एक्टर फिल्म को लेकर काफी एक्साइटेड हैं, उन्होंने एक मैसेज भी लिखा, वापस आने के लिए एक्साइटेड हूं, आप सभी से मिलने के लिए एक्साइटेड हूं, चाहे वह टीवी स्क्रीन हो या सिनेमा स्क्रीन। मैं यह देखने के लिए इंतजार नहीं कर सकता कि आप फरदीन 2.0 के बारे में क्या सोचते हैं।

शाहरुख और दीपिका की फिल्म 'पठान' का स्पेन शेड्यूल की शूटिंग 27 मार्च तक होगी खत्म

शाहरुख खान और दीपिका पादुकोण स्पेन में अपनी अपकमिंग फिल्म 'पठान' की शूटिंग कर रहे हैं। यह जोड़ी फिलहाल स्पेन के मल्लोर्का आइलैंड पर एक गाने की शूटिंग कर रही है। इसके बाद वो स्पेन में कैडिज और जेरेज जाएंगे, जहां वो 27 मार्च को शेड्यूल पूरा करेंगे।

मल्लोर्का में शूट हुई पहली फिल्म होगी 'पठान'

ट्रेड सोर्स के मुताबिक, पठान पहली फिल्म है जो स्पेन के मल्लोर्का में शूट हुई है। इसकी एक्सपेंसिव और लग्जीरियस सेटिंग इसे दुनिया के सबसे अच्छे टूरिस्ट जगहों में से एक बनाती है। सिद्धार्थ आनंद और यश राज फिल्म्स पठान को यहां फिल्माना चाहते थे, ताकि वह उस लेवल पर जा सकें, जो हिंदी सिनेमा में पहले कभी नहीं देखा गया हो।

पठान शेड्यूल के बारे में आगे बात करते हुए, सोर्स ने कहा, मल्लोर्का के बाद, शाहरुख खान और दीपिका पादुकोण एक एक्शन शेड्यूल के लिए कैडिज और जेरेज जाएंगे। जहां वह कुछ मौत को मात देने वाले स्टंट फिल्माएंगे।

27 मार्च तक पूरा होगा स्पेन शेड्यूल

सोर्स ने आगे बताया, पठान की टीम 27 मार्च तक स्पेन शेड्यूल को पूरा कर लेगी। सिद्धार्थ आनंद ऑडियंस को लुभाने के लिए एक बड़ी इंटरनेशनल शेड्यूल चाहते थे और वह अपने इस विजन को वाईआरएफ के साथ पूरा करने में कामयाब रहे। लीक हुई पिक्चर्स में शाहरुख और दीपिका बहुत अच्छे दिख रहे हैं और ऐसा लग रहा है जैसे सिड चाहते हैं कि, एक्टर्स बड़े पर्दे पर जलवा बिखेरें। शाहरुख और दीपिका की जोड़ी ने कई ब्लॉकबस्टर फिल्में दी हैं और मेकर्स का इरादा पठान को अब तक की सबसे बड़ी फिल्म बनाने का है।

बॉलीवुड में कोविड की एंट्रीः लारा दत्ता का कोविड रिपोर्ट आई पॉजिटिव

देश में कोरोना के केस जहां कम हो रहे हैं, वहीं बॉलीवुड से कोरोना अभी गया नहीं है। अब इसकी चपेट में एक्ट्रेस लारा दत्ता आ गई हैं। इसके साथ ही बीएमसी ने एक्ट्रेस का घर भी सील कर दिया है। हालांकि अपनी कोविड पॉजिटिव होने की जानकारी अभी तक एक्ट्रेस ने नहीं दी है।

माइक्रो कंटेनमेंट जोन हुआ लारा का घर

लारा दत्ता के कोविड पॉजिटिव होने की खबर आते ही बीएमसी ने तुरंत एक्शन लिया है। बीएमसी ने लारा के घर के बाहर माइक्रो कंटेनमेंट जोन का पोस्टर लगा दिया है। साथ ही उनके घर को भी सील कर दिया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक परिवार में लारा ही कोरोना वायरस के चपेट में आई हैं।

लारा बड़े पर्दे पर फिल्म 'बेल बॉटम' में नजर आई थीं। फिल्म में लारा दत्ता के साथ अक्षय कुमार, वाणी कपूर और हुमा कुरैशी भी लीड रोल में थे। इसके अलावा वह ओटीटी प्रोजेक्ट 'हिचक्स एंड हुकअप्स', 'हंड्रेड' और 'कौन बनेगा शिखरवती' में नजर आई हैं।

नीति आयोग ने निर्यात तैयारी सूचकांक 2021 का दूसरा संस्करण किया जारी

श्रीकंचनपथ न्यूज

नई दिल्ली(पीआईबी)। अधिकांश तटीय राज्यों का प्रदर्शन सर्वश्रेष्ठ रहा है। गुजरात लगातार दूसरी बार नंबर 1 के स्थान पर है। नीति आयोग ने प्रतिस्पर्धा संस्थान (इन्स्टिट्यूटऑफ कम्पेटिटिव्निस) के साथ साझेदारी में आज निर्यात तैयारी सूचकांक (ईपीआई) 2021 जारी किया। रिपोर्ट में भारत की निर्यात उपलब्धियों का व्यापक विश्लेषण प्रस्तुत किया गया है।

सूचकांक का उपयोग राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों (यूटी) द्वारा बेहतर प्रदर्शन करने वाले राज्यों की तुलना में अपने प्रदर्शन का आकलन करने और उप-राष्ट्रीय स्तर पर निर्यात-आधारित विकास को बढ़ावा देने के लक्ष्य के साथ बेहतर नीति विकसित करने की प्रक्रिया में संभावित चुनौतियों का विश्लेषण करने के लिए किया जा सकता है। निर्यात तैयारी सूचकांक, उप-राष्ट्रीय निर्यात संवर्धन के लिए महत्वपूर्ण; मूलभूत क्षेत्रों की पहचान करने के लिए एक डेटा-संचालित प्रयास है। ईपीआई में राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों का 4 मुख्य स्तंभों- नीति; व्यापार इकोसिस्टम; निर्यात इकोसिस्टम; निर्यात प्रदर्शन— और 11 उप-स्तंभों— निर्यात प्रोत्साहन नीति; संस्थागत ढांचा; व्यापार वातावरण; आधारभूत संरचना; परिवहन संपर्क; पूंजी तक पहुंच; निर्यात आधारभूत संरचना; व्यापार समर्थन; अनुसंधान एवं विकास(आर एंड डी) आधारभूत संरचना; निर्यात विविधीकरण और विकास आकांक्षा – के आधार पर श्रेणी तैयार की गयी है।

नीति आयोग के उपाध्यक्ष डॉ. राजीव कुमार ने; नीति आयोग के सीईओ अमिताभ कांत, वाणिज्य विभाग के सचिव बीवीआर सुब्रह्मण्यम और अन्य गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति में सूचकांक जारी किया।

रिपोर्ट में बताया गया है कि अधिकांश तटीय राज्यों का प्रदर्शन सर्वश्रेष्ठ रहा है और गुजरात पहले पायदान पर है। ईपीआई 2021 ने भारत के निर्यात को बढ़ावा देने में तीन प्रमुख चुनौतियों की पहचान की है। ये चुनौतियां हैं – निर्यात आधारभूत संरचना में क्षेत्र-विशेष और अंतर-क्षेत्र में असमानताएं; राज्यों में कमजोर व्यापार समर्थन व विकास उन्मुख आकांक्षा तथा जटिल और विशिष्ट निर्यात को बढ़ावा देने के लिए अनुसंधान एवं विकास की आधारभूत संरचना की कमी।

ईपीआई का प्राथमिक लक्ष्य सभी भारतीय राज्यों (तटीय, गैर-तटीय राज्य, हिमालयी, और केंद्र शासित/नगर-राज्य) के बीच प्रतिस्पर्धा पैदा करना है, ताकि निर्यात-संवर्धन के लिए अनुकूलनीतियों का निर्माण किया जा सके, उप-राष्ट्रीय निर्यात-संवर्धन को बढ़ावा देने के लिए नियामक ढांचे को आसान बनाया जा सके; निर्यात के लिए आवश्यक अवसंरचना तैयार की जा सके और निर्यात प्रतिस्पर्धात्मकता में सुधार के लिए रणनीतिक सिफारिशों की पहचान करने में सहायता प्रदान की जा सके। यह प्रतिस्पर्धी संघवाद और राज्यों/केंद्र शासित क्षेत्रों के बीच निष्पक्ष प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा देता है। राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के बीच स्वस्थ प्रतिस्पर्धा को प्रोत्साहित करने के लिए यह सूचकांक सरकार और नीति निर्माताओं के लिए एक मूल्यवान उपकरण हो सकता है, जिससे वैश्विक निर्यात बाजार में भारत की स्थिति और बेहतर हो सकती है। रिपोर्ट जारी करते हुए, नीति आयोग के उपाध्यक्ष डॉ. राजीव कुमार ने कहा कि ईपीआई 2021; राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों को उनकी निर्यात क्षमता का अधिकतम उपयोग करने को ध्यान में रखते हुए निर्यात अनुकूल इकोसिस्टम सुनिश्चित करने के लिए निर्यात-उन्मुख नीतियों की योजना बनाने और उन्हें लागू करने में मदद करेगा। सूचकांक का दूसरा संस्करण; प्रतिस्पर्धी संघवाद को प्रोत्साहन देने और वैश्विक निर्यात परिदृश्य में राज्यों तथा केंद्र शासित प्रदेशों के बीच निष्पक्ष प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण उत्प्रेरक सिद्ध होगा। कार्यक्रम के दौरान वाणिज्य विभाग के सचिव बी.वी.आर. सुब्रह्मण्यम ने इस बात को रेखांकित किया कि भविष्य में निर्यात में वृद्धि सुनिश्चित करने के लिए राज्य / केंद्र शासित प्रदेशों के स्तर पर हमारे विनिर्माण और अवसंरचना के इकोसिस्टम को मजबूत करने के सन्दर्भ में निरंतर काम करने की आवश्यकता है।

खास खबर

सोंढूर सिंचाई परियोजना के लिए 15.48 करोड़ रूपए स्वीकृत

रायपुर। छत्तीसगढ़ शासन ने बलौदाबाजार-भाटापारा जिले के विकासखण्ड भाटापारा की सोंढूर परियोजना के अंतर्गत भाटापारा शाखा की धुर्राबांधा की नई वितरक नहर निर्माण के लिए 15 करोड़ 48 लाख 28 हजार रूपए स्वीकृत किए है। योजना के कार्य पूर्ण हो जाने पर क्षेत्र में 879 हेक्टेयर से अधिक क्षेत्र में खरीफ फसलों की सिंचाई प्रस्तावित है। जल संसाधन विभाग महानदी भवन नवा रायपुर में सिंचाई परियोजना के कार्यों को कराने के लिए मुख्य अभियंता महानदी भवन जल संसाधन विभाग रायपुर को प्रशासकीय स्वीकृति जारी की गई है। योजना का कार्य स्वीकृत राशि एवं निर्धारित समयावधि में पूर्ण कराने के निर्देश अधिकारियों को दिए गए है।

मोदी राज में महंगाई की मार से आम जनता की कमर टूटी

रायपुर। महंगी गैस, महंगा तेल, थोक और खुदरा महंगाई ऐतिहासिक रूप से सर्वोच्च शिखर पर है, सिर्फ सत्ता की भूख में मोदी सरकार आम जनता की कमर तोड़ रही है, फिर भी महंगाई से देशवासियों को लूटने का कोई भी अवसर नहीं छोड़ रही है। पेट्रोल-डीजल 100 के पार, रसोई गैस 1000, खाने का तेल 200 के पार। आम जनता बेबस और लाचार है पर मोदी सरकार केवल अपने चांद पूंजीपति मित्रों के मुनाफे की सोच रही है। अप्रैल 2014 से जून 2021 तक मोदी सरकार ने केवल पेट्रोल डीजल की लूट से 25 लाख करोड़ कमाए हैं। मोदी सरकार ने पेट्रोल पर एक्साइज ड्यूटी विगत 7 साल में 258 परसेंट बढ़ाया है और डीजल पर 820 प्रतिशत की बढ़ोतरी की गई है। मई 2014 में पेट्रोल पर सेंट्रल एक्साइज ड्यूटी मात्र 9 रूपया 20 पैसे प्रति लीटर थी, जो आज बढ़कर 23 रुपया 78 पैसा प्रति लीटर है। आयोजित पत्रकारवार्ता में अखिल भारतीय महिला कांग्रेस कमेटी की अध्यक्ष नेटा डिसूजा ने दी। पत्रकारवार्ता में नेटा ने बताया कि यूपीए राज की तुलना में पिछले 7 वर्षों में केन्द्र में पदस्थ मोदी सरकार द्वारा 10 गुना अधिक वृद्धि से जहां गृहणियों का बजट गैस के दामों में वृद्धि से बिगड़ा है वहीं पेट्रोल-डीजल के मूल्यों में बेतहाशा वृद्धि होने से आम जनता की कम टूट गई है। मोदी सरकार के मंत्री और भाजपा के नेता यह झूठ बोलने से नहीं चूकते कि पेट्रोलियम की कीमत पर सरकार का नियंत्रण नहीं है। यदि ऐसा नहीं है तो 5 राज्यों में विगत विधानसभा चुनाव के दौरान 4 महीने तक मूल्य वृद्धि नहीं करने के पीछे क्या कारण है? अर्थात पेट्रोल भी लो और साथ में पैसा भी लो उस दौरान भी डीजल पेट्रोल और रसोई गैस की कीमतें भारत में कम नहीं की गई जो मोदी सरकार के लूट का प्रमाण है।

विश्व टीबी दिवस के अवसर पर महारैली निकालकर दिया गया जागरूकता का संदेश

संयुक्त संचालक डॉ.ए.आर.गोटा ने टीबी प्रचार रथ को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

श्रीकंचनपथ न्यूज

जगदलपुर। विश्व टीबी दिवस के अवसर पर गुरुवार 24 मार्च को बस्तर जिले में टीबी की रोकथाम व उसके प्रति जनजागरूकता फैलाने के उद्देश्य से विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ महारानी अस्पताल जगदलपुर में आयोजित जिला क्षय उन्मूलन कार्यक्रम के द्वारा किया गया।

इस अवसर पर संयुक्त संचालक स्वास्थ्य सेवाएं डॉ.ए.आर.गोटा ने हरी झंडी दिखाकर टीबी प्रचार रथ को रवाना किया। आयोजन के दौरान टीबी जागरूकता से संबंधित नारा, पोस्टर ,बैनर, माइकिंग के साथ महा रैली का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ.आर.के चतुर्वेदी ने कहा कि बस्तर जिले में टीबी रोग के रोकथाम के लिये युद्धस्तर पर मरीजों की पहचान और त्वरित इलाज की व्यवस्था की जा रही है। हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी लोगों को जागरूक करने के लिए 24 मार्च को विश्व टीबी दिवस पर जिले में महारैली का आयोजन किया गया। इस अवसर पर नोडल अधिकारी डॉ. सी आर मैत्री ने भी टीबी के रोकथाम के संबंध में महत्वपूर्ण जानकारियां दी। कार्यक्रम में युवोदय के वालंटियर्स, बीएससी नर्सिंग के स्टूडेंट, टी.आई.एड्स नियंत्रण परियोजना के समस्त कर्मचारीगण, पीरामल स्वास्थ्य के टीम, राष्ट्रीय क्षय उन्मूलन एवं स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी-कर्मचारीगण उपस्थित थे।

भारतीय नौसेना हिंद महासागर क्षेत्र में मुख्य सुरक्षा भागीदार है : कोविंद

श्रीकंचनपथ न्यूज

नई दिल्ली (पीआईबी)। राष्ट्रपति राम नाथ कोविंद ने कहा कि भारतीय नौसेना पिछले कुछ वर्षों में युद्ध के लिए तैयार, विश्वसनीय और सशक्त बल के रूप में उभरी है और हिंद महासागर क्षेत्र में मुख्य सुरक्षा भागीदार है। गुजरात के जामनगर में आज (25 मार्च, 2022) आईएनएस वलसुरा प्रेसिडेंट्स कलर भेंट करने के अवर पर उन्होंने कहा कि भारतीय नौसेना समुद्री क्षेत्र में हमारे राष्ट्रीय हितों की रक्षा कर रही है। यह बड़े गर्व की बात है कि यह लगातार संकल्प और दृढ़ता के साथ हमारे व्यापक समुद्री हितों की रक्षा कर रही है।

राष्ट्रपति ने कहा कि भारतीय नौसेना दीर्घकालिक संभावित योजनाओं को ध्यान में रखते हुए और मिशनों के सीमा विस्तार को पूरा करने की दिशा में लगातार अपनी ताकत बढ़ा रही है। नौसेना के जहाज और पनडुब्बियां अत्याधुनिक और परिष्कृत इलेक्ट्रॉनिक्स, हथियारों और सेंसर से लैस हैं, जो युद्ध-कौशल और अन्य कार्यों को करने में निपुण है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि आईएनएस वलसुरा जहाजों और पनडुब्बियों पर लगे जटिल हथियारों, इलेक्ट्रॉनिक्स और युद्ध उपकरणों उपयुक्तता सुनिश्चित करने के लिए अधिकारियों और जहाज के नाविकों को आवश्यक कौशल से लैस करना जारी रखेगा।

इस तथ्य की ओर इशारा करते हुए कि आईएनएस वलसुरा को द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान रॉयल इंडियन नेवी की क्षमता बढ़ाने के लिए टॉरपीडो ट्रेनिंग स्कूल के रूप में कमीशन किया गया था, राष्ट्रपति ने कहा कि पिछले 79 वर्षों में, यह एक प्रमुख तकनीकी प्रशिक्षण संस्थान में बदल गया है। उन्होंने कहा कि इसे जहाजों और पनडुब्बियों पर जटिल हथियारों और बिजली के उपकरणों को बनाए रखने के लिए समुद्री योद्धाओं के कौशल की महत्वपूर्ण भूमिका सौंपी गई है।

राष्ट्रपति ने कहा कि आईएनएस वलसुरा को शांति और युद्ध के दौरान राष्ट्र की असाधारण सेवा के रूप में मान्यता देने के लिए प्रेसिडेंट्स कलर प्रदान करना बहुत गर्व की बात है। आईएनएस वलसुरा प्रतिष्ठान को दिया गया यह सम्मान आज उसे अतिरिक्त जिम्मेदारियां देता है और इसने इस इकाई के सभी अधिकारियों, पुरुषों और महिलाओं से अपेक्षाओं को बढ़ाया है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि वे उत्कृष्टता के लिए प्रयास करना जारी रखेंगे और व्यावसायिकता और समर्पण के साथ राष्ट्र की सेवा करेंगे। राष्ट्रपति ने कहा कि हम अपने समाज और अपने राष्ट्र के कर्जदार हैं। यह हमारा कर्तव्य है कि हम किसी भी तरह से समाज की हर संभव मदद करके इस कर्ज को चुकाएं।

मुख्यमंत्री हाट बाजार क्लीनिक योजना जरूरतमंदों के लिए बनी संजीवनी

घर पहुंच स्वास्थ्य सुविधाओं का लाभ लेने बढ़ी संख्या में पहुंच रहे हैं लोग

श्रीकंचनपथ न्यूज

जगदलपुर। राज्य शासन द्वारा शुरू की गई अत्यंत महात्वाकांक्षी एवं लोक कल्याणकारी मुख्यमंत्री हाट बाजार क्लीनिक योजना आदिवासी बाहुल्य बस्तर जिले के जरूरत मंद लोगों के लिए संजीवनी साबित हो रही है। ग्रामीण पृष्ठभूमि वाले गरीब जरूरतमंदों को उनके घरों एवं गांव के आसपास स्वास्थ्य सुविधाओं का लाभ दिलाने के उद्देश्य से शुरू की यह योजना बस्तर जिले के सुदूर वनांचल के दुर्गम एवं पहुंचविहीन क्षेत्रों के ग्रामीणों को स्वास्थ्य सुविधा मुहैया कराने की दृष्टि से वास्तव में एक क्रांतिकारी योजना साबित हो रही है।

इस योजना के शुरू होने के पूर्व जिले के दरभा, तोकापाल, लोहण्डीगुड़ा, जगदलपुर आदि विकासखण्डों के बहुत बड़े क्षेत्रों में दुर्गम बसाहटों के कारण ग्रामीणों को बीमारियों से ग्रसित होने पर भी समय पर अस्पताल पहुंचकर स्वास्थ्य सुविधाओं का लाभ लेना लगभग असंभव होता था। लेकिन राज्य के संवदेनशील मुखिया भूपेश बघेल के नेतृत्व वाली छत्तीसगढ़ सरकार के द्वारा प्रारंभ की गई इस मुख्यमंत्री हाट बाजार क्लीनिक योजना के माध्यम से आज इसकी भरपाई की जा रही है। आज इस योजना के सफलीभूत होने का परिणाम है कि जिले के ग्रामीण क्षेत्रों के हाट बाजारों में लगने वाली क्लीनिकों में बड़ी संख्या में ग्रामीणों की भीड़ उमड़ रही है। इस योजना का लाभ लेकर ग्रामीण इसे अपने लिए बहुत बड़ी सौगात बता रहे हैं।

वर्तमान में स्वास्थ्य विभाग के द्वारा बस्तर जिले के सभी सातों विकासखण्डों के कुल 52 हाट बाजारों में प्रति सप्ताह नियमित रूप से हाट बाजार संचालित की जा रही हैं। इन हाट बाजारों में विशेषज्ञ चिकित्सकों एवं उनकी टीम के द्वारा सर्दी, खांसी, बुखार, नाक, कान, दर्द आदि बीमारियों के ईलाज के अलावा मलेरिया, मधुमेह, खुन की कमी, गर्भवती माताओं की जांच, चर्म रोग, टीबी, डायरियां डेंगू, एनीमिया सिकलसेल उक्त रक्तचाप आदि सभी प्रकार की बीमारियों की ईलाज की जा रही है। इसके अलावा इन हाट बाजार क्लीनिकों में ग्रामीणों को विभिन्न प्रकार की बीमारियों की जांच की सुविधा भी मिल रही है।

आज कोड़ेनार साप्ताहिक बाजार में अपने आंखों में दर्द और लालपन का उपचार कराने पहुंचे कोड़ेनार के बाकोपारा निवासी महारगुराम ने कहा कि बस्तर जैसे दुर्गम क्षेत्रों में हाट-बाजार क्लीनिक योजना बहुत ही प्रभावी योजना है।

उन्होंने कहा कि बस्तर में हाट-बाजारों का विशेष महत्व है, क्योंकि क्षेत्र के सभी ग्रामीण अपनी दैनिक उपयोग के सामग्री के लिए हाट बाजारों पर निर्भर हैं। वे जब अपनी जरुरत के सामान खरीदने के लिए हाट बाजार जाते हैं, तब क्लीनिक में उपचार की सुविधा भी ले रहे हैं।

पुजारीपारा कोड़ेनार के महेन्द्र अपने सिरदर्द का उपचार कराने आज क्लीनिक पहुंचे। उन्होंने कहा कि यहां उपचार के उपरांत उन्हें दवाईयां दी गई हैं।

उन्होंने कहा कि ये निश्चित तौर पर राहत की बात है कि आज साप्ताहिक बाजार में ही उन्हें उपचार की सुविधा मिल गई।

विश्व क्षय दिवस के अवसर पर जन जागरूकता रैली एवं संगोष्ठी का आयोजन

श्रीकंचनपथ न्यूज

गरियाबंद। कलेक्टर नम्रता गांधी एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत रोक्तिमा यादव के मार्गदर्शन में स्वास्थ्य विभाग, राष्ट्रीय क्षय उन्मूलन कार्यक्रम अंतर्गत 24 मार्च को विश्व क्षय दिवस मनाया गया इस अवसर पर जिला चिकित्सालय गरियाबंद से मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. एन.आर.नवरत्न, सिविल सर्जन सह मुख्य अस्पताल अधीक्षक डॉ. जी.एल. टण्डन, जिला नोडल अधिकारी डॉ.ए.के. हुमने, चिकित्सा अधिकारी डॉ. निशा नवरत्न, आरएमओ डॉ. हरीश चौहान, डीपीएम डॉ रीना लक्ष्मी के द्वारा हरी झंडी दिखाकर जन जागरूकता रैली को रवाना किया गया।

रैली के दौरान विभाग के समस्त अधिकारी/कर्मचारी, शिवम् नर्सिंग कॉलेज के स्टॉफ व छात्र छात्राओं द्वारा गरियाबंद शहर में नारा लगाकर टी.बी. रोग संबंधी जन जागरूकता का संदेश देते हुए बस स्टैण्ड, हाट बाजार, पुलिस विभाग के कर्मचारी, बस चालक परिचालक, खोमचा व विभिन्न दुकानदारों एवं जिला अस्पताल परिसर में ओपीडी में आने वाले समस्त नागरिकों को टी.बी रोग की जानकारी देते हुए ''टी.बी. मुक्त छत्तीसगढ़ की ओर अग्रसर, टीबी हारेगा देश जीतेगा'' व टोपी एवं पाम्पलेट का वितरण के माध्यम से प्रचार प्रसार किया गया।

रैली के उपरांत जिला चिकित्सालय परिसर में सभा संगोष्ठी का आयोजन किया गया। विश्व क्षय दिवस के अवसर पर मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. नेतराम नवरत्न के द्वारा बताया गया कि राज्य शासन द्वारा वर्ष 2023 तक टी.बी. मुक्त छत्तीसगढ़ का लक्ष्य रखा गया है, जिसे चिन्हाकित एवं समूह वाले क्षेत्रों एवं हाट बाजार टी.बी. खोज अभियान चलाकर प्राप्त किया जा सकता है।

टी.बी. मुक्त करने हेतु जन समूह की सहभागिता को आवश्यक बताया गया है, जिसे विभिन्न प्रचार प्रसार के माध्यम से प्राप्त किया जा सकेगा।

डॉ. अमन हुमने, जिला क्षय उन्मूलन अधिकारी के द्वारा विश्व क्षय दिवस 2022 का थीम इन्वेस्ट टू इंड टीबी सेव लाईव्स है बताते हुए टी.बी. रोग के लक्षण जांच उपचार संबंधी जानकारी देकर दो हफ्ते से अधिक खांसी होने पर अनिवार्य रूप से बलगम की जांच कराये जाने हेतु अपील किया गया।

उक्त कार्यक्रम भारत सिंह ठाकुर, अमृत राव भोसले, ललित कुमार देवांगन, टीकेश साहू, नर्मदा साहू, अमृत जगत, सतरूपा चंद्राकर, कुश साहू एवं एनएचएम/जिला चिकित्सालय के समस्त अधिकारी कर्मचारी उपस्थित हुये, कार्यक्रम का संचालन धीरज कुमार शर्मा के द्वारा किया गया। भूपेश कुमार साहू,जिला कार्यक्रम समन्वयक के द्वारा आभार व्यक्त किया गया।

खास-खबर

कोरोना टैक्स का पैसा कहां खर्च हुआ जनता को जानने का है अधिकारः छत्तीसगढ़ हाई कोर्ट

बिलासपुर (ए)। शराब पर 10 प्रतिशत कोरोना टैक्स लेने और उस राशि को अन्य मद में खर्च करने के खिलाफ पेश याचिका को शासन ने ना चलने योग्य बनाते हुए खारिज करने की मांग है। इस जवाब पर चीफ जस्टिस की डीबी ने नाराजगी जताई है। साथ ही कहा है कि जनता को यह जानने का अधिकार है कि उनसे लिया गया कोरोना टैक्स कहां खर्च किया गया। कोर्ट ने शासन को नोटिस जारी कर जवाब पेश करने का आदेश दिया है। याचिका में अगली सुनवाई 20 अप्रैल को होगी। विधायक अजय चंद्राकर, बृजमोहन अग्रवाल, शिवरतन शर्मा व नारायण चंदेल ने शराब पर कोरोना टैक्स लेने और उस राशि को अन्य मद में खर्च करने के खिलाफ अधिवक्ता विवेक शर्मा व गैरी मुखोपाध्याय के माध्यम से हाई कोर्ट में याचिका पेश की है। इसमें कहा गया कि राज्य शासन ने मई 2020 से देसी व विदेशी शराब की बिक्री पर 10 प्रतिशत कोरोना टैक्स लगाया है। इससे लगभग 658 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त हुआ है। यह राशि कोरोना मरीजों के उपचार या अधोसंरचना विकसित करने के लिए स्वास्थ्य विभाग को नहीं दी गई। शासन ने इस राशि को अन्य मद में खर्च किया है। हाई कोर्ट ने शासन को नोटिस जारी कर जवाब मांगा था। .याचिका को सुनवाई के लिए शुक्रवार को चीफ जस्टिस अरूप कुमार गोस्वामी की डीबी में रखा गया। इस दौरान शासन की ओर से कहा गया कि याचिका पूर्णरूप से राजनीति से प्रेरित है। इस कारण चलने योग्य नहीं है। शासन ने याचिका को खारिज करने की मांग की। इस जवाब पर चीफजस्टिस ने नाराजगी जताई। उन्होंने कहा कि यह जनता का पैसा है। जनता को जानने का अधिकार है कि टैक्स की राशि कहां खर्च की गई है। मामले में शासन को जवाब देना ही पड़ेगा। कोर्ट ने याचिका को अगली सुनवाई के लिए 20 अप्रैल को रखने का आदेश दिया है।

बिलासपुर में कुत्ते को घुमाने निकला किशोर नहाने के लिए तालाब में उतरा, डूबने से मौत

बिलासपुर (ए)। सरकंडा स्थित सोनगंगा कालोनी में रहने वाला 15 साल का किशोर शुक्रवार की सुबह अपने कुत्ते को घुमाने के लिए निकला था। ताबाल के पास उसने अपना कुत्ता दोस्त को दिया और नहाने चला गया। तालाब की गहराई का अंदाजा नहीं होने के कारण वह डूबने लगा। उसके साथी ने पास में मछली पकड़ रहे युवक से मदद मांगी। दोनों ने किशोर की तलाश की पर वह नहीं मिला। इसकी जानकारी मिलने पर पुलिस ने गोताखोर को बुलवाया। दो घंटे की मशक्कत के बाद गोताखोर ने किशोर के शव को बाहर निकाला। सिम्स में शव का पोस्टमार्टम कराया गया है।

सरकंडा के सोनगंगा कालोनी में रहने वाले सनत कुमार द्विवेदी प्रवचनकर्ता हैं। वे यहां किराए के मकान में रहते हैं। उन्होंने घर में कुत्ता पाल रखा है। शुक्रवार की सुबह आठ बजे उनका बेटा प्रियांशु द्विवेदी(15) अपने कुत्ते को घुमाने निकला था। उसके साथ देवनंदन नगर में रहने वाला दोस्त नितिन मानिकपुरी भी था। कुत्ते को घुमाते हुए दोनों सोनगंगा कालोनी स्थित तालाब के पास पहुंचे। पानी देखकर प्रियांशु ने कुत्ते को अपने दोस्त को थमा दिया और कपड़े उतारकर तालाब में नहाने के लिए उतर गया। उसे गहराई का अंदाजा नहीं था। गहरे पानी में वह डूबने लगा। नितिन ने उसे बचाने की कोशिश की। इसमें सफल नहीं होने पर उसने पास में ही मछली पकड़ रहे लक्ष्मी यादव से मदद मांगी। उसने भी पानी में प्रियांशु की खोज की। इस बीच नितिन ने घटना की जानकारी प्रियांशु के घर में दी।

रिश्तेदार और साले ने दिया वारदात को अंजाम

गायब युवक का शव जंगल में मिला, बिलासपुर में की हत्या, कोरबा ले जाकर जला दिया

बिलासपुर (ए)। दो दिन पहले सरकंडा क्षेत्र से गायब परसाही के पूर्व पंच का कोरबा जिले में जला हुआ शव मिला। अवैध संबंधों के संदेह के चलते पड़ोसी ने अपने साले व उसके रिश्तेदार के साथ मिलकर इस वारदात को अंजाम दिया। शव को शहर से कार में ले गए और करीब 50 किलोमीटर दूर जंगल में जलाकर ठिकाने लगा आए। युवक के मोबाइल पर मुख्य आरोपी का अंतिम बार कॉल आया था। पुलिस ने सीडीआर से डिटेल निकालकर पूछताछ की और हत्याकांड का खुलासा हुआ।

तीनों आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। ग्राम परसाही निवासी मलेंद्र पटेल पिता पिलाऊ राम (36) मंगलवार 22 मार्च को अपने घर से लगरा जाने के लिए निकला था। इसके बाद लौटकर नहीं आया। परिजनों ने खोजबीन की पर सुराग नहीं मिला तो दूसरे दिन सुबह सरकंडा थाने आकर गुम इनसान दर्ज कराया। इसी दौरान लगरा के पास नदी किनारे उसकी बाइक पड़ी मिली। एसडीआरएफके गोताखारों ने पानी में मलेंद्र की तलाश कराई पर पता नहीं चला।

पुलिस की जांच ऐसे शुरू हुई

रविवार की रात करीब 8 बजे मलेंद्र की अपने पड़ोसी राजकुमार पटेल से अंतिम बार बातचीत हुई थी। राजकुमार ने ही उसे फोन किया था। पुलिस राजकुमार की तलाश की तो वह घर पर ही मिल गया। पुलिस ने उसका भी कॉल डिटेल निकाला था। राजकुमार की बातचीत मलेंद्र के पहले अपने साले चंद्रकुमार पटेल उर्फ चंदू पटेल (32) करा मस्तूरी व चंदू के साले राहुल पटेल (21) डरभाता सीपत से हुई थी।

पुलिस ने दोनों का भी लोकेशन देखा। पुलिस ने पहले राजकुमार को उसके घर से उठाया और थाना लेकर आई। उससे घटना की रात का लोकेशन पूछा तो उसने गलत बताया। पुलिस के पास सीडीआर में पहले से उसका लोकेशन था। इसलिए शक गहराया। पुलिस ने फिर चंदू व उसके साले को पकड़ा। उनका भी कॉल डिटेल चेक किया गया। दोनों ने भी पुलिस से अपना लोकेशन छिपाया और फिर कड़ाई बरती गई। तीनों टूट गए और मलेंद्र की हत्या करने की जानकारी दी।

लड़की देखने के बहाने फोन कर बुलाया

मुख्य आरोपी राजकुमार के रिश्तेदार का मलेंद्र के साथ अवैध संबंध था। इसके चलते उसने साला चंदू पटेल के साथ मिलकर मलेंद्र की हत्या की योजना बनाई। मलेंद्र ने इसमें अपने साले राहुल पटेल को शामिल किया। योजना 15 दिन पहले बन चुकी थी। 22 मार्च को तीनों योजना के तहत आरटीओ ऑफिस के पास पहुंचे और यहां से रामकुमार ने मलेंद्र को फोन किया।

बोतल, कपड़े, रॉड मौके पर छोड़कर आए थे

पुलिस ने मौके से कपड़े, प्लास्टिक की बोतल बरामद किया। घटना में प्रयुक्त रॉड, कार व पूर्व पंच के कपड़े जब्त किए गए। कार रामकुमार के घर पर मिली। इसमें खून के दाग थे।

साइबर ठगी का जाल, उच्च शिक्षा विभाग के उप सचिव से इलाज पैकेज के नाम पर ठगी

रायपुर (ए)। उच्च शिक्षा विभाग के उप सचिव समरेंद्र सिंह से जालसाजों ने एक लाख रुपये ठग लिए। ठग ने उन्हें हरिद्वार में घुटने का इलाज का झांसा दिया और पैसे वसूल लिए। उप सचिव को अलग-अलग प्रोसेस के नाम पर पैसे ट्रांसफर करने को कहा गया। उन्होंने पैसे ट्रांसफर भी कर दिए। जालसाजी का पता चलने के बाद उन्होंने डीडी नगर थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है।

पुलिस के अनुसार डीडी नगर स्थित शांति लीना सदन कंचनगंगा फेस-2 निवासी समरेंद्र सिंह से ठगी हुई है। वे अपनी पत्नी विजयलक्ष्मी सिंह के घुटने का इलाज कराने के लिए योग ग्राम हरिद्वार जाने की तैयारी कर रहे थे। इसके लिए उन्होंने वहां के होटलों में बुकिंग के लिए आनलाइन सर्च किया। इंटरनेट सर्च के बाद उन्होंने दिए गए मोबाइल नंबर पर संपर्क किया। नंबर पर फोन रिसीव करने वाले ने अपना नाम सचिन अग्रवाल बताया।

उसने पूरी जानकारी लेने के बाद आश्रम में इलाज का पूरा इंतजाम करा देंगे। बुकिंग से लेकर सारी जिम्मेदारी होटल से ही करने का आश्वासन दिया गया। उसके बाद छह मई से कमरा बुक कराने और इलाज के लिए धरोहर राशि 25, 500 रुपये जमा करने को कहा। उन्होंने जमा कर दी। जमा करने के एवज में आनलाइन रसीद भी दी गई। इससे उन्हें विश्वास हो गया कि पैसे सही जगह जमा हो गए हैं। कुछ दिनों बाद उन्हें फिर काल आया कहा गया कि योगग्राम कक्ष की नई दर लागू हो गई है। उन्हें कुछ पैसे और जमा करने होंगे। ऐसा कहकर उनसे 15000 और जमा करवाए गए। इस तरह से इलाज पैकेज के लिए एक लाख पांच हजार रुपये जमा करने के बाद भी उन्हें कमरा आवंटन करने का पत्र नहीं दिया गया। उन्होंने इसके लिए कई बार फोन भी किया हर बार कोई ना कोई बहाना कर टाल दिया गया।

उन्हें शक हुआ उन्होंने पतंजलि आश्रम से फोन पर संपर्क किया, तो वहां से लोगों ने किसी भी तरह की बुकिंग से इंकार किया। उन्होंने बताया कि आश्रम की ओर से इस तरह की कोई भी व्यवस्था नहीं की जाती है। इस पर उन्होंने फोन करने वाले से पैसे वापस मांगे तो रकम वापस करने से इंकार कर दिया। तब उन्हें पता चला कि उनके साथ धोखाधड़ी की गई।

नाबालिग को शादी का झांसा देकर बना लिया बंधक

बिलासपुर (ए)। रतनपुर क्षेत्र के भरवीडीह में रहने वाले 21 साल के युवक ने 17 साल की किशोरी को शादी का झांसा देकर अपने घर में बंधक बना लिया। अपने पिता और मां के साथ उसकी पिटाई करता था। युवक नाबालिग को अपने मां और परिवार वालों से भी बात नहीं करने देता था। युवक की कैद से छूटने के बाद सीधे रतनपुर थाने पहुंची। उसने घटना की शिकायत रतनपुर थाने में की। इस पर पुलिस दुष्कर्म और पाक्सो एक्ट के तहत मामला दर्ज कर आरोपित युवक, उसके पिता और मां को गिरफ्तार कर लिया है।

रतनपुर थाना प्रभारी शांत कुमार साहू ने बताया कि भरवीडीह में रहने वाले विश्वकांत कमल(21) का क्षेत्र में रहने वाली 17 वर्षीय किशोरी से प्रेम संबंध था। दोनों के बीच दो साल से बातचीत हो रही थी। इसका फायदा उठाते हुए युवक ने किशोरी को शादी का झांसा देकर अपने घर ले आया। यहां उसने किशोरी को बंधक बनाकर दुष्कर्म किया। उसके पिता रघुवीर कमल और मां चमेली बाई को भी इसकी जानकारी थी। उनकी मौजूदगी में ही युवक किशोरी से मारपीट करता था। युवक और उसके परिवार वाले किशोरी को उसके मां और पिता से भी बात नहीं करने देते थे। किसी तरह किशोरी उनके घर से भाग निकली। उसने घटना की शिकायत रतनपुर थाने में की।

अवैध प्लाटिंग करने वालों पर होगी कार्रवाई, 87 की सूची तैयार

बिलासपुर (ए)। शहरी क्षेत्र में अवैध प्लाटिंग करने का सिलसिला थम नहीं रहा है। जरा सी ढिलाई मिलने पर लोग अवैध प्लाटिंग करने से बाज नहीं आ रहे हैं। अब इस तरह की प्लाटिंग निगम प्रबंधन के लिए सिरदर्द बन चुकी हैं। अब इनके खिलाफ कार्रवाई की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। मौजूदा स्थिति में निगम सीमा अंतर्गत 87 अवैध प्लाटिंग को चिन्हित किया गया है। उन पर कार्रवाई होना तय है।

निगम प्रबंधन का भी मानना है कि अब अवैध प्लाटिंग एक बढ़ी समस्या बन चुकी है। आए दिन इस तरह की शिकायत मिलती रहती है। इसे महापौर रामशरण यादव ने भी गंभीरता से लिया है। उन्होंने इसे लेकर पूर्व में शिकायत के आधार पर अवैध प्लाटिंग का मौका मुआयना कर लिस्ट तैयार करने का निर्देश दिया था। वहीं अब लिस्ट तैयार हो चुकी है। जानकारी के मुताबिक 87 अवैध प्लाट की सूचना व जानकारी महापौर को दी गई है। अब इनके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। महापौर ने यह भी साफ किया है कि कार्रवाई के दौरान किसी भी तरह के दबाव या अप्रोच आदि पर ध्यान नहीं दिया जाएगा।

पिछले साल दो दर्जन से ज्यादा पर हुई कार्रवाई

निगम के अतिक्रमण दल ने पिछले साल दो दर्जन से ज्यादा अवैध प्लाटिंग के खिलाफ कार्रवाई की थी। उनके खिलाफ नियमानुसार जुर्माना व अन्य मामले बनाकर कार्रवाई चल रही है। यह भी देखा गया है कि निगम की जमीन के अलावा कुछ जगहों पर निजी जमीन पर भी कब्जा कर लिया गया है। इससे संबंधित भी परेशान हैं। वैसे जमीन को भी मुक्त कराया जाएगा। ऐसे मामलों की भी शहर में कमी नहीं है और पीड़ित पक्ष के कई लोग कोर्ट की शरण में भी जा चुके हैं। अब उन्हें भी राहत की उम्मीद है।

वन विभाग की छापामार कार्यवाहीः लमकेनी गांव के आरामिल से अवैध काष्ठ जब्त

काष्ठ के अवैध परिवहन के मामले में एक मेटाडोर और तीन ट्रेक्टर जब्त

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। रायपुर जिले के अभनपुर के लमकेनी गांव में आरामिल में छापा मारकर भारी मात्रा में अवैध काष्ठ जब्त किया गया। अवैध काष्ठ संग्रहण व चिरान की शिकायत के आधार पर वन मंत्री मोहम्मद अकबर के मार्गदर्शन एवं मुख्य वन संरक्षक रायपुर जनक राम नायक व वनमंडलाधिकारी विश्वेश कुमार के दिशा-निर्देश पर उप वनमंडलाधिकारी विश्वनाथ मुखर्जी के नेतृत्व में कार्यवाही की गई। ग्राम लमकेनी स्थित शुक्ला आरामिल में

कहवा लकड़ी के अवैध चिरान होने की लगातार शिकायत मिल रही थी। वन विभाग के अधिकारी व कर्मचारियों द्वारा भारी मात्रा में अवैध काष्ठ जब्त कर काष्ठ चिरान अधिनियम के तहत कार्यवाही करते हुए आरामिल में ताला लगाकर विद्युत कनेक्शन विच्छेद कर दिया गया। इसी कार्यवाही के दौरान आस-पास के क्षेत्र में अवैध रूप में अर्जुन काष्ठ परिवहन करते हुए एक मेटाडोर व 3 ट्रेक्टर भी आज की कार्यवाही में जब्त किया गया। लगभग 35 घनमीटर कहवा (अर्जुन) काष्ठ जब्त किया गया है। जिसका बाजार मूल्य 5 से 7 लाख रूपए है। चारों वाहन में अपराध पंजीबद्ध कर छत्तीसगढ़ वनोपज अभिवहन नियम के तहत राजसात की कार्यवाही की जाएगी।

इस दौरान परिक्षेत्राधिकारी नवा रायपुर सतीश मिश्रा, सहायक परिक्षेत्र अधिकारी तेजा सिंह साहू व मंशा राम साहू द्वारा कार्यवाही की गई। कार्यवाही के दौरान मोहम्मद सिराज खान, यशपाल सिंह, जहुर अहमद, विजय जंघेला, अमृत यादव व अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

स्कूल का ताला तोड़कर कंप्यूटर ले गए चोर

बिलासपुर (ए)। हिर्री क्षेत्र के झलफा स्थित शासकीय हाई स्कूल का ताला तोड़कर चोरों ने स्टाफ रूम से तीन कंप्यूटर पार कर दिए। शुक्रवार की सुबह स्कूल की सफाई कर्मचारी पहुंची तो उन्हें चोरी की जानकारी हुई। उन्होंने इसकी जानकारी प्राचार्य को दी। प्राचार्य ने घटना की शिकायत हिर्री थाने में की है। इस पर पुलिस जुर्म दर्ज कर चोरों की तलाश कर रही है।

सिविल लाइन क्षेत्र के नेहरू नगर में रहने वाले रजनीश पांडेय झलफा शासकीय हाई स्कूल में प्रभारी प्राचार्य हैं। गुरुवार की शाम स्कूल बंद होने के बाद स्टाफअपने घर लौट गए। स्कूल सहायक कृष्ण कुमार मनहर ताला लगाकर अपने घर निपनिया चला गया। शुक्रवार की सुबह सफाई कर्मचारी पुष्पा यादव अपनी ड्यूटी पर पहुंची। इस दौरान स्कूल के स्टाफरूम में ताला नहीं लगा था। दरवाजे पर तोड़फोड़ के निशान देखकर उन्होंने इसकी जानकारी स्कूल सहायक कृष्ण कुमार मनहर को दी। स्कूल सहायक ने मौके पर पहुंचकर घटना की जानकारी प्रभारी प्राचार्य रजनीश पांडेय को दी। वे स्टाफके साथ स्कूल पहुंचे। उन्होंने स्कूल स्टाफ के साथ कमरे में प्रवेश किया। अंदर सामान बिखरा हुआ था। चोरों ने स्टाफ रूम में रखे तीन कंप्यूटर मानिटर, दो सीपीयू, एक की-बोर्ड पार कर दिया था। इसके साथ ही कमरे में रखे आलमारी को तोड़ने का प्रयास किया गया था। प्राचार्य ने इसकी शिकायत हिर्री थाने में की। इस पर पुलिस ने स्कूल का निरीक्षण किया है। आसपास के लोगों से पूछताछ कर संदेहियों की जानकारी ली गई है।

आदित्य ड्राई क्लीनर्स
Pick & Drop Service Available (Terms & Condition Applied)
98271-90875 99938-08453 75877-57239
सोफा पर्दा कारपेट सीटकवर लेदर जैकेट टेड्डी बियर शू
सभी प्रकार के कपड़ों का आधुनिक तकनीकी से ड्राईक्लीन किया जाता है।
Shop NO.-105, "A" Market, Sector-6, Bhilai (C.G.)

Galaxy Granite
रायपुर से कम दामों में
WholeSaler & Retailer
All Type Of Tiles : Wall Tiles, Floor Tiles, Granite Sanitary & Null Fitting
सभी प्रकार के टाईल्स और ग्रेनाईट मिलने का एक मात्र स्थान कोई भी टाईल्स लेने से पहले एक बार अवश्य पधारे...
Raja Steel Traders, Krishna Talkies, Road, Side of ZEE Maha Sale, Risali, Bhilai - 490006
K.K. Soni - 77479-88643, 9109509095

House of tiles
Complete Range of Tiles, Marble And Granite in One Shop
KESWANI TILSE
कृष्णा टाकिज रोड, राजा स्टील के सामने, रिसाली, भिलाई (छ.ग.)
Mo. _- 82349 - 21000

राकेश ट्रेडर्स
विगत 6 वर्षो से यह दुकान पानी टंकी के सामने स्थानांतरित हो गई है।
Dealers
Marbles, Grinight, Black Stone, Nano & Double Charge Verified Tiles Digital Wall & Floor Tiles Cement Coloru etc.
रायपुर रेट पर माल उपलब्ध
Rakesh Sahu 9302443750, 9907127357
Krishna Talkies Road, Beside Hariom Furniture, Risali, Bhilai - 490006

भिलाई मसाला उद्योग
शुद्ध कुटे हुए मसाले, पापड़, अचार, बड़ी, जड़ी-बूटी, जचकी का सामान इत्यादि
128, ए- मार्केट, सेक्टर-6, भिलाई, फोन. 2284508, मो. 9826137766

मिस एंड मिसेस लेडिस वेयर
• गाऊन • ब्रा. पेन्टी • नाईटी • ब्लाउज
सभी प्रकार के अंडरगारमेंट्स की विशाल रेंज
शॉप नं-113, सेक्टर-6, ए मार्केट भिलाई

दुल्हन बैंगल्स & फैंसी
RUPESH KUMAR Mob.-9840760388 7987759030
Specialist : Wedding mix match bangles, Glass bangle, Plastic bangle. Saree pin, Bindi, Rubber Band. Bracelet, Butter Fly, Ear ring and many more
कृष्णा टाकिज रोड, विजय भवन के पास, रिसाली, भिलाई
जलाराम मिष्ठान के सामने, इंदिरा मार्केट, स्टेशन रोड, दुर्ग (छ.ग.)

माँ दुर्गा ज्वेलर्स
सोने एवं चांदी के आभूषणों विक्रेता
उचित ब्याज में गिरवी रखी जाती है
शॉप नं. 69, सी-मार्केट सेक्टर-6, भिलाई
मो. 9424124911

भारतीय बैग हाउस
फैंसी स्ट्राली, स्कूल बैग, ऑफिस बैग, सफर बैग, लेपटॉप बैग, फैंसी छतरी, रेनकोट इत्यादि के विक्रेता
VIP happy journey
AMERICAN TOURISTER
कृष्णा टाकीज रोड, बैंक ऑफ बडौदा के बाजू में रिसाली भिलाई, संजय गुप्ता : 93003-77572

खास - खबर

नेशनल बॉडी बिल्डिंग चैम्पियनशिप, सुप्रीति आचार्जी ने सिल्वर व पुरूष वर्ग में अशोक बेहरा ने कांस्य पदक हासिल किया

भिलाई। 11 से 13 मार्च तक गंगटोक सिक्कीम में आयोजित 11वीं फैडरेशन कप नेशनल बॉडी बिल्डिंग चैम्पियनशिप 2022 में सीनियर महिला वर्ग में छत्तीसगढ़ की सुप्रीति आचार्जी ने सिल्वर मैडल एवं पुरूष वर्ग में 65 कि.ग्रा. वर्ग में छत्तीसगढ़ के अशोक बेहरा ने कांस्य पदक हासिल किया है। इस स्पर्धा में 32 राज्यों, 8 स्पोर्टस बोर्ड के 450 खिलाड़ी व 150 अधिकारी वर्ग ने शिरकत की थी। इंडियन बॉडी बिल्डर्स फैडरेशन के आयोजक सचिव व छत्तीसगढ़ प्रदेश बॉडी बिल्डर एसोसिएशन के महासचिव अरविंद सिंह ने बताया कि, 11वीं फैडरेशन कप बॉडी बिल्डिंग चैम्पियनशिप 2022 छत्तीसगढ़ के खिलाडियों के लिए उपलब्धि भरा रहा है। इस स्पर्धा में महिला वर्ग में छत्तीसगढ़ का प्रतिनिधित्व कर रही दुर्ग की सुप्रीति आचार्जी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए कड़े संघर्ष में सिल्वर मैडल हासिल करने का गौरव हासिल किया है। वहीं इस वर्ग में स्वर्ण पदक हरियाणा की गीता सैनी को मिला जबकि, कांस्य पदक पर मणिपुर की करिश्मा एवं उत्तराखंड के प्रतिभा थपलियाल ने चौथा एवं दिल्ली की नंदिता रावत ने 5वाँ स्थान हासिल किया है। इसी प्रकार पुरूष वर्ग के 65 कि.ग्रा. वर्ग में छत्तीसगढ़ प्रदेश का प्रतिनिधित्व कर रहे कोरिया के अशोक बेहरा ने कांस्य पदक हासिल किया है। इस वर्ग में स्वर्ण पदक पंजाब के प्रदीप कुमा वर्मा को मिला है जबकि, उड़ीसा के सशांक शेखर साहू को रजत पदक, महाराष्ट्र के संदीप एन सावले को चौथा स्थान एवं तामिलनाडु के इ. निशांत को पाँचवाँ स्थान पर संतोष करना पड़ा है। छत्तीसगढ़ प्रदेश से महिला एवं पुरूष वर्ग में 10 खिलाड़ी, 4 अधिकारियों ने स्पर्धा में भाग लिया।

शंकर नाला कार्य 30 अप्रैल तक पूरा करने हेतु निर्देश

दुर्ग। नगर पालिक निगम आयुक्त हरेश मंडावी ने आज अधिकारियों के साथ शंकर नाला पहुँचकर निर्माण कार्य एवं साफसफई का निरीक्षण किया गया । उन्होनें अधिकारियों से कहा हमारा लक्ष्य उद्देश्य यह है कि दुर्ग शहर के शंकर नाला समेत सभी नाला साफ-सुथरा रहे। लोगो को जागरुक करेगें कि वे नाला में गंदा कचरा आदि ना डालें।आयुक्त हरेश मंडावी ने मालवीय नगर,संतरा बाड़ी से दुर्गा चौक विजय नगर होते हुए शंकर नगर नाला के आखरी छोर तक कार्यपालन अभियंता आर.के. पांडेय,सहायक अभियंता आर.के. जैन, उपअभियंता सुरेश केवलानी अन्य अधिकारी एवं अन्य अधिकारियों के साथ शंकर नाला निर्माण कार्य से सम्बंधित ठेकेदारो के साथ निरीक्षण किया गया है एवं आयुक्त हरेश मंडावी ने सम्बंधित अधिकारियों को 30 अप्रेल तक रिटेनिंग वॉल निर्माण कार्य पूर्ण करने एवं दोनों तरफकी रिटेनिंग वॉल के बीच पड़ी मिट्टी एवं मलवे को 31 मई तक निकलने हेतु निर्देशित किया गया है एवं शख्त हिदायत दी गई कि उक्त कार्य अति महत्वपूर्ण है।पिछले वर्षों में शंकर नगर नाला की कर्मचारियों की तीन - तीन गैंग लगाकर साफसफई नाले के तले तक करवाई जा रही है जिसके परिणामस्वरूप शंकर नगर नाला में पिछले वर्ष अत्यधिक वर्षा होने के बावजूद भी घरो में पानी नही घुसा एवं बाढ़ आने की नौबात नही आई।जिससे शंकर नगर नाला के आस पास रहने वाले लोगो ने इस कार्य के लिए निगम प्रशासन की प्रशंसा भी की एवं आयुक्त हरेश मंडावी के मार्ग निर्देशन में स्वास्थ्य विभाग द्वारा अभी भी लगातार शंकर नगर नाले के साथ साथ अन्य बड़े नालो की भी गैंग लगाकर तले तक सफई करवाई जा रही है जो निरन्तर जारी रहेगी।

तोड़फोड़ से प्रभावित लोगों को तत्काल व्यवस्थापित करे प्रशासन

गरीबों के साथ खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं : वोरा

शांतिनगर में तोड़फोड़ अभियान के तहत 17 लोगों की दुकान व मकान तोड़ने पर वोरा ने जताई सख्त नाराजगी

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग।शांति नगर वार्ड 18 में गुरुवार को नगर निगम के तोड़फोड़ अभियान पर विधायक अरुण वोरा ने कड़ी नाराजगी जताई है। वोरा ने आज वार्ड में जाकर प्रभावित लोगों से मुलाकात की। स्थानीय नागरिकों की शिकायत सुनने के बाद वोरा ने कहा कि पिछले 40 साल से यहां व्यवसाय करने वाले लोगों की दुकानों, मकानों को तोड़ दिया गया।

निगम प्रशासन को अगर कब्जे हटाना है, तो पहले गरीब व्यवसाइयों को व्यवस्थापित करने की व्यवस्था करें। गरीबों की रोजी-रोटी उजाड़ने की कार्रवाई किसी भी हालत में बर्दाश्त नहीं की जाएगी। वोरा ने बताया कि वार्ड 18 में दुर्ग इंडस्ट्रियल एरिया की भूमि पर पिछले कई साल से डेढ़ दर्जन लोग यहां छोटी दुकानें लगाकर व्यवसाय कर रहे थे, जिन्हें हटा दिया गया।

निगम प्रशासन ने बिना व्यवस्थापन किये तोड़फोड़ की कार्रवाई कर दी। वोरा ने सख्त लहजे में कहा है कि शहर में गरीबों के व्यवसाय उजाड़ने की कार्रवाई बंद करें। विधायक को जानकारी दिये बिना किसी भी जगह पर तोड़फोड़ की कार्रवाई न करें। तोड़फोड़ अभियान की चपेट में आए गरीब परिवारों के सामने रोजी-रोटी चलाने का संकट है। निगम प्रशासन इन गरीबों को तत्काल व्यवस्थापित करे।

पट्टा नवीनीकरण और नए पट्टे देने वार्डों में लगाएं शिविर

शहर के कई वार्डों में बड़ी संख्या में लोग निवासरत जमीन का पट्टा देने की मांग कर रहे हैं। वोरा ने इस संबंध में राजस्व मंत्री जय सिंह अग्रवाल से भी चर्चा की है। वोरा ने जिला प्रशासन और निगम प्रशासन के अफसरों से कहा है कि नागरिक भटक रहे हैं। वार्ड स्तर पर शिविर लगाकर नए पट्टे बनाने व पट्टा नवीनीकरण का कार्य किया जाना चाहिए। यह कार्य सर्वोच्च प्राथमिकता से पूरा किया जाए, ताकि लोगों के सामने भटकाव की स्थिति न होने पाए।

भूमिपूजन के बाद तत्काल शुरू करें विकास कार्य

वोरा ने आदित्य नगर, सिंधिया नगर, रामनगर सहित कई वार्डों का दौरा करते हुए निगम अफसरों से कहा है कि जिन कार्यों का भूमिपूजन हो चुका है, उन सभी विकास कार्यों को तत्काल पूरा किया जाए। वोरा ने कहा कि कई वार्डों में अभी तक विकास कार्य शुरू नहीं हुए हैं। अगर काम शुरू किया गया है तो महीनों बाद भी पूरा नहीं किया गया है।

निगम कमिश्नर ऐसे सभी कार्यों की मॉनिटरिंग करें और शहर के विकास कार्यों में तेजी लाने प्रभावी कदम उठाएं।

शिक्षा विभाग का गरिमामय आयोजन

बीएसपी के 35 मेधावी छात्र सेल छात्रवृत्ति से सम्मानित

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के शिक्षा विभाग ने 25 मार्च, 2022 को प्रतिष्ठित सेल छात्रवृत्ति-2020-2021 का वितरण समारोह मानव संसाधन विकास विभाग के सभागार में आयोजित किया गया। इस समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में बीएसपी के कार्यपालक निदेषक (माइन्स व रावघाट) मानस बिस्वास तथा विषिष्ट अतिथि के रूप में कार्यपालक निदेषक (कार्मिक एवं प्रषासन) के के सिंह ने अपनी गरिमामयी उपस्थिति प्रदान की। इसके अतिरिक्त मुख्य महाप्रबंधक (नगर सेवाएं) यू के झा व मुख्य महाप्रबंधक प्रभारी (मिल्स) एम एम गद्रे भी मंचस्थ रहे। महाप्रबंधक (शिक्षा) श्रीमती षिखा दुबे भी उपस्थित रही। समारोह में कुल 35 प्रतिभावान विद्यार्थियों को सेल छात्रवृत्ति-2020-2021 से सम्मानित किया गया। तथा ईएमएमएस, सेक्टर-9 के बच्चों ने स्वागत गीत प्रस्तुत किया। समारोह के प्रारंभ में महाप्रबंधक (शिक्षा) श्रीमती षिखा दुबे ने अतिथियों एवं सभी उपस्थित छात्र-छात्रायें व पालकगणों का स्वागत करते हुए सेल छात्रवृत्ति के संदर्भ में जानकारी दी तथा सेल छात्रवृत्ति से संबंधित प्रक्रिया पर विस्तारपूर्वक प्रकाष डाला। इस अवसर पर अपने सारगर्भित सम्बोधन में मुख्य अतिथि व बीएसपी के कार्यपालक निदेषक (माइन्स व रावघाट) मानस बिस्वास ने छात्रवृत्ति पाने वाले भिलाई के प्रतिभावान छात्र-छात्राओं को बधाई दी और उनके उज्जवल भविष्य की कामना की।

डॉ. खूबचंद बघेल शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में हुआ होली मिलन समारोह

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। डॉ खूबचंद बघेल शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में दिनांक 17 मार्च 2022 को वाणिज्य विभाग के द्वारा होली मिलन उत्सव का आयोजन किया गया कार्यक्रम की शुरुआत महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ रीना मजूमदार के उद्बोधन से हुई जिसमें उन्होंने कहा होली के साथ रंग जीवन में खुशियां उमंग और नए काम करने का जोश भरते हैं।

इसी के साथ उन्होंने महाविद्यालय के सभी उपस्थित जनों को नए उमंग और जोश के साथ कार्य करने की प्रेरणा दी तत्पश्चात होली के प्रोग्राम की शुरुआत गुलाल के रंगों को लगाकर की गई सभी उपस्थित जनों ने गीत कविता शायरी एवं समूह नृत्य के साथ पूरे कार्यक्रम को खुशनुमा माहौल दिया डॉक्टर अमृता कस्तूरे ने आओ हुजूर तुमको गाने से सबको मंत्रमुग्ध कर दिया डॉ अल्पना दुबे मैडम के गाने चल जा रे हट नटखट गीत पर सुंदर समाँ बाँधा और वहाँ उपस्थित डॉ दीप्ति बघेल डॉक्टर नीलम गुप्ता और श्रीमती रेनू वर्मा के पैर थिरक उठे सभी ने एक से बढ़कर एक प्रस्तुतियां दी डॉ विनोद शर्मा ने होली के पौराणिक इतिहास को बताते हुए कविता के माध्यम से अपनी भावनाएं सबके समक्ष रखी कार्यक्रम के मध्य में पूरा महाविद्यालय परिवार होली के रंगों में सराबोर हो गया सबने जमकर डांस किया छत्तीसगढ़ी ऐतिहासिक गीतों तथा राधा कृष्ण के भजनों ने पूरे प्रोग्राम का समा बांध दिया विभाग के द्वारा सभी उपस्थित जनों के लिए होली में बनने वाले पकवान की व्यवस्था कराई गई जिसका सभी ने रसास्वादन किया सारांश स्वरूप भिलाई 3 महाविद्यालय होली के इस पावन अवसर पर एक ही रंग में रंग गया कार्यक्रम का संचालन डॉक्टर नीलम गुप्ता के द्वारा किया गया।

प्लास्टिक मुक्त करने एक और पहल

डिस्पोजल प्लास्टिक निर्भरता को खत्म करने महिलाओं ने खोला बर्तन बैंक

श्रीकंचनपथ न्यूज

रिसाली। रिसाली के पॉश कालोनी से लेकर श्रमिक बाहुल्य क्षेत्र में बर्तन बैंक का शुभारंभ किया गया है। योजना के तहत रिसाली निगम के सभापति केशव बंछोर, महिला एवं बाल विकास विभाग प्रभारी ईश्वरी साहू ने महिला सद्स्यों को बर्तन सेट सौपा। बर्तन बैंक संचालित कर महिलाएं आत्मनिर्भर भी होगी।

वर्तमान समय में पारिवारिक कार्यक्रम व उत्सव आयोजन में डिस्पोजल सामानों का बहुतायत उपयोग हो रहा है। पूर्ण रूप से प्लास्टिक नष्ट नहीं होने की वजह से पर्यावरण संतुलन बिगड़ते जा रहा है। इसे देखते हुए शासन ने स्वच्छ भारत मिशन के तहत शहरी व ग्रामीण क्षेत्रो में बर्तन बैंक खुलवाने स्वसहायता समूह की महिलाओं को प्रोत्साहित कर रही है। इसी के तहत आजीविका मिशन में पंजीकृत महिला स्वसहायता समूह को बर्तन सेट दिया गया। इस अवसर पर एमआईसी सद्स्य विलास राव बोरकर, परमेश्वर कुमार समेत पार्षद डोमन लाल बारले, सुरेन्द्र बाघमारे, निगम सिंह, टीकम सिंह साहू, सरिता देवांगन, जाहिर अब्बास, छाया पार्षद सोमनाथ यादव, शेष जांगड़े, जिला महामंत्री एनएसयूआई सुरेन्द्र बाघमारे आदि उपस्थित थे।

शशि समूह स्टेशन मरोदा, राधे राधे महिला स्वसहायता समूह टंकी मरोदा, रवीना महिला स्वसहायता समूह नेवई बस्ती, सृष्टि स्वसहायता समूह शक्ति विहार वार्ड 28, दीपिका स्वसहायता समूह रूआबांधा, समृद्धि स्वसहायता समूह मरोदा सेक्टर, कुबेर स्वसहायता समूह डुंडेरा और प्रयास महिला स्वसहायता समूह स्टोरपारा पुरैना।

100 लोगो की व्यवस्था

प्रत्येक समूह को निगम ने लगभग एक लाख रूपए का बर्तन दिया है। जिसमें खाना पकाने के लिए गंज, कढ़ाही, परात समेत गिलास, कटोरी, थाली, चम्मच के अलावा परोसने का सामान शामिल है। बर्तन बैंक 100 सद्स्य के लिए बर्तन व्यवस्था कराई जाएगी।

भिलाई इस्पात संयंत्र ने एसपीएसबी अंतर इस्पात संयंत्र वालीबॉल प्रतियोगिता का आयोजन किया

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र द्वारा 23 मार्च, 2022 से 26 मार्च, 2022 तक चार दिवसीय एस.पी.एस.बी. अंतर इस्पात संयंत्र वालीबॉल प्रतियोगिता का आयोजन वालीबॉल काम्पलेक्स, पंत स्टेडियम, सेक्टर-1 में किया जा रहा है। जिसमें सेल के राउरकेला इस्पात संयंत्र, सेलम स्टील, वी.आई.एस.एल, आर.आई.एन.एल, बोकारो स्टील प्लान्ट, दुर्गापुर स्टील प्लांट, टाटा स्टील प्लांट, जिन्दल स्टील वर्कस एवं भिलाई इस्पात संयंत्र की 09 टीमें भाग ले रही है। प्रतियोगिता वालीबॉल फैडेरेशन ऑफ इंडिया के नियमानुसार खेली जायेगी।

प्रतियोगिता का विधिवत् उद्घाटन समारोह दिनांक 23 मार्च, 2022 को पंत स्टेडियम सेक्टर-1 वालीबॉल ग्राउण्ड मे सायं 6:30 बजे भिलाई इस्पात संयंत्र के निदेषक प्रभारी अनिर्बान दासगुप्ता के मुख्य आतिथ्य में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम में विषिष्ट अतिथि के रूप में कार्यपालक निदेषक (कार्मिक एवं प्रषासन), के के सिंह, मुख्य महाप्रबंधक (नगर सेवाएं), यु के झा, मुख्य महाप्रबंधक (कार्मिक), सु निषा सोनी, महाप्रबंधक (का-गैर संकार्य एवं खदान) एस के सोनी के साथ-साथ एस.पी.एस.बी. के पर्यवेक्षक, जयदीप सरकार, एच शेखर, महाप्रबंधक (कार्मिक एवं प्रषासन), संजय द्विवेदी, महाप्रबंधक (विधि), राजेष चावला, महाप्रबंधक (भंडार), एस आर जाखड़, उपमहाप्रबंधक, (क्री.सां.एवं ना.सु.) एवं अभिजीत भौमिक, सहायक प्रबंधक (क्री,सां. एवं ना.सु.) सहित सभी नौ टीमों के खिलाड़ीगण एवं दर्षकगण उपस्थित थे। उद्घाटन समारोह के अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित भिलाई इस्पात संयंत्र के निदेषक प्रभारी अनिर्बान दासगुप्ता ने प्रतियोगिता में भाग लेने वाले सभी टीमों को बधाई देते हुए खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया। उद्घाटन समारोह का पहला मैच बी.एस.पी. एवं आर.एस.पी के मध्य खेला गया, जिसमें बीएस.पर. की टीम 2-0 से विजेता रही, दूसरा मैच टाटा एवं बी.एस.एल, बोकारो के मध्य खेला गया।

एनयूएलएम के सामाजिक गतिशीलता एवं संस्थागत कार्यो में धीमी गति पर फटकार

राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन के मैनेजरों को प्रगति में सुधार लाने दिये निर्देश अन्यथा होगी कार्रवाई-आयुक्त

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। भिलाई निगम के आयुक्त प्रकाश सर्वे ने राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन के अधिकारी/कर्मचारियों के कार्यो को लेकर समीक्षा बैठक लिये जिसमें एनयूएलएम के सामाजिक गतिशीलता एवं संस्थागत विकास तथा स्वरोजगार कार्यक्रम घटक की प्रगति कम होने पर फटकार लगाते हुए कार्य में सुधार लाने तथा प्रगति बढ़ाने के निर्देश दिए हैं।

नोडल अधिकारी एवं उपायुक्त सुनील अग्रहरि ने जानकारी देते हुए बताया कि निगम आयुक्त ने दीनदयाल अंत्योदय योजना राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन के स्वरोजगार कार्यक्रम घटक, सामाजिक गतिशीलता एवं सस्थागत विकास घटक की प्रगति देखी और प्रगति कम होने पर सहायक परियोजना अधिकारी फणींद्र बोस, मिशन मैनेजर एकता शर्मा, नलिनी तनेजा, अमन पटले, शिबा राबर्ट एवं बैठक में उपस्थित सी.ओ. को संचालित कार्यो की जानकारी लेते हुए कार्य में प्रगति लाने के निर्देश दिये अन्यथा कार्यवाही की चेतवानी भी दी। सभागार में आयोजित बैठक में आयुक्त प्रकाश सर्वे ने गौठान में मवेशियों के लिए अधिक से अधिक पैरा दान कराने के काम में जोर देने कहा, गौठान में निरंतर प्रक्रिया के तहत वर्मी कंपोस्ट की क्वालिटी पर फोकस करने कहा। इसके अलावा स्व सहायता समूह का गठन, स्व सहायता समूह का आवर्ती निधि, क्षेत्र स्तरीय संगठन का गठन, क्षेत्र स्तरीय संगठन का आवर्ती निधि एवं शहर स्तरीय संगठन बनाने के कार्यो में धीमी गति पाए जाने पर आयुक्त ने नाराजगी जाहिर करते हुए स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं कि कार्यों में तत्काल सुधार लाते हुए सत प्रतिशत प्रगति प्राप्त करना सुनिश्चित करें। अन्यथा की स्थिति में नियमानुसार कार्रवाई की जायेगी।

गोबर से निर्मित उत्पाद तैयार करे बैठक में आयुक्त ने गौठान संचालन करने वाली स्व सहायता समूह की महिलाओं को गौठान में सब्जी उत्पादन, वर्मी खाद, अगरबत्ती, घरेलू सामग्री जैसे अधिक से अधिक उत्पाद तैयार कर बाजार में विक्रय करने के निर्देश दिए ताकि महिलाओं को रोजगार मिल सके।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950